दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 131
मुरादाबाद
(Tuesday)
01 September 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

किर्गिस्तान दौरा : पीएम मोदी की अर्मेनिया के प्रधानमंत्री से अहम मुलाकात, द्विपक्षीय संबंधों पर हुई बातचीत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय यात्रा पर किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक पहुंच गए हैं। यहां वह शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के 26वें शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे और संगठन के कई सदस्य देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। एयरपोर्ट पर किर्गिस्तान के मंत्रिपरिषद के अध्यक्ष अदिलबेक कासिमालियेव ने पीएम मोदी का स्वागत किया। इस दौरान पारंपरिक किर्गिज नृत्य की प्रस्तुति भी दी गई।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पशिनयान के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों नेताओं ने आपसी संबंधों और साझा हितों से जुड़े मुद्दों पर बातचीत की।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में महात्मा गांधी स्मारक पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की और उनसे बातचीत की। प्रधानमंत्री मोदी ने बिश्केक में विभिन्न समुदायों के लोगों से भी मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने लोगों से संवाद किया और उनके अनुभवों को जाना।पीएम मोदी किर्गिस्तान के दो दिवसीय दौरे पर हैं। वह कल बिश्केक में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के 26वें शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। सम्मेलन में प्रधानमंत्री क्षेत्रीय सुरक्षा, संपर्क और विकास से जुड़े अहम मुद्दों पर भारत का पक्ष रखेंगे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक सितंबर को SCO के 26वें शिखर सम्मेलन को संबोधित करेंगे। सम्मेलन का विषय 'SCO के 25 वषü: सतत शांति, विकास और समृद्धि की ओर साथ-साथ रखा गया है। सम्मेलन में आतंकवाद से मुकाबला, क्षेत्रीय स्थिरता और सीमा-पार सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए सहयोग जैसे मुद्दे प्रमुख रहेंगे। राष्ट्राध्यक्षों के सत्र में बिश्केक घोषणा और अन्य दस्तावेजों को अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है।किर्गिस्तान पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी सबसे पहले बिश्केक में फ्रेंड्स ऑफ इंडिया से बातचीत करेंगे। इसके बाद वह महात्मा गांधी मेमोरियल पार्क पहुंचकर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इस प्रतिमा का अनावरण प्रधानमंत्री ने 2015 में किर्गिस्तान यात्रा के दौरान किया था। पीएम मोदी आज छठे वर्ल्ड नोमैड गेम्स के उद्घाटन समारोह में भी शामिल होंगे। यह आयोजन मध्य एशिया की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक खेलों को दुनिया के सामने पेश करता है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय यात्रा पर किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक पहुंच गए हैं। यहां वह शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के 26वें शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे और संगठन के कई सदस्य देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। एयरपोर्ट पर किर्गिस्तान के मंत्रिपरिषद के अध्यक्ष अदिलबेक कासिमालियेव ने पीएम मोदी का स्वागत किया। इस दौरान पारंपरिक किर्गिज नृत्य की प्रस्तुति भी दी गई।

संक्षिप्त समाचार

अंकित के परिजनों से मिले जयंत सिंह, बोले- दो हत्यारे ढेर, बाकी पर भी होगी कार्रवाई, सरकार गंभीर

शामली के बंतीखेड़ा निवासी गायक अंकित बालियान के दो हत्यारों सुमित और मोहित को पुलिस व एसटीएफ ने सोमवार तड़के ढेर कर दिया। इस मामले में दो बदमाश सत्यम और आर्यन अभी फरार है। जयंत सिंह ने कहा कि पीड़ितों को इंसाफ मिलेगा, सरकार गंभीर है। रालोद मुखिया चौधरी जयंत सिंह सोमवार को शामली के गांव बंतीखेड़ा पहुंचे और अंकित बालियान के पिता सतबीर फौजी व अन्य परिजनों से मुलाकात की। जयंत ने कहा कि सरकार इस मामले पर पूरी तरह गंभीर है। आज दो हत्यारों को एनकाउंटर में मारा गया है, बाकी हत्यारों और साजिश करने वालों को भी बख्शा नहीं जाएगा। रालोद सुप्रीमो एवं केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह ने अंकित के पिता सतबीर सिंह से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली और परिवार को सांत्वना दी। जयंत सिंह ने कहा कि दुख की इस घड़ी में उनकी और पार्टी की संवेदनाएं परिवार के साथ हैं। जयंत सिंह ने कहा कि अंकित एक कलाकार था और उसकी सुनियोजित तरीके से हत्या की गई। प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया है और पुलिस हत्याकांड की जांच में जुटी है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था तभी कायम रह सकती है, जब लोगों का व्यवस्था पर विश्वास बना रहे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी इस मामले को लेकर उनकी बातचीत हुई थी। मुख्यमंत्री इस घटना को लेकर गंभीर थे। जले में कानून व्यवस्था बनाए रखने का रहा है।

सीएम योगी ने दीं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं, बोले-सत्य, धर्म और कर्म के संदेश को जीवन में उतारें

सीएम योगी ने पाती लिखकर प्रदेशवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। कहा कि सत्य, धर्म और कर्म के संदेश को जीवन में उतारें।सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को प्रदेशवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने पाती के माध्यम से प्रदेशवासियों से भगवान श्रीकृष्ण के सत्य, धर्म, कर्म और लोकमंगल के संदेश को जीवन में उतारने और विकसित एवं गौरवशाली उत्तर प्रदेश के निर्माण का संकल्प लेने का आह्वान किया। सीएम ने कहा कि योगेश्वर श्रीकृष्ण का संपूर्ण जीवन लोक कल्याणकारी शासन की मूल भावना की प्रेरणा देता है। इसी भावना के अनुरूप प्रदेश सरकार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सम्मान और सुरक्षा देने के साथ गरीबी मुक्त उत्तर प्रदेश, प्रतिभासंपन्न व निपुण युवाओं को रोजगार, अंधकार के बीच भगवान श्रीकृष्ण के रूप में सत्य और धर्म अन्नदाताओं को सहारा और बेटियों को बेटों के समान आगे बढ़ने का अवसर देने के लिए कार्य कर रही है। द्वारकाधीश होते हुए भी सुदामा के आत्मीय मित्र बने रहे। उनकी मित्रता यह संदेश देती है कि सच्चे संबंध पद, प्रतिष्ठा और संपन्नता से नहीं, बल्कि आत्मीयता से बनते हैं। उन्होंने कहा कि समरसता, समानता और आत्मीयता आज के समाज की भी आवश्यकता है। बाल लीलाओं में छिपे जीवन के गहरे संदेश- सीएम ने कहा कि असत्य और अन्याय के का प्रकाश प्रस्फुटित हुआ। उनकी बाल लीलाएं केवल आनंद देने वाली कथाएं नहीं हैं, बल्कि उनमें गहरे आध्यात्मिक संदेश छिपे हैं। माखन चोरी की लीला सहजता और निश्छलता, जबकि गोप-गोपियों के साथ उनकी आत्मीयता प्रेम और सामाजिक समरसता का संदेश देती है। कालिय नाग के दमन की लीला अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है।सामूहिक एकजुटता से मिलती है शक्ति- सीएम योगी ने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन बताता है कि समाज की वास्तविक शक्ति सामूहिक सहकारिता में निहित है। गोवर्धन पर्वत धारण कर उन्होंने प्रकृति, पशुधन और कृषि आधारित जीवन के संरक्षण का संदेश दिया। गोवर्धन पूजा के माध्यम से यह भी बताया कि सामूहिक एकजुटता बड़ी से बड़ी चुनौती का सामना करने की शक्ति देती है। हर युग के लिए प्रासंगिक है कर्म का संदेश- सीएम ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने मानवता को कर्म, ज्ञान और कर्तव्य का मार्ग दिखाया। उनका संदेश किसी एक काल या युग तक सीमित नहीं है, बल्कि हर समय समाज और व्यक्ति को सही दिशा दिखाने वाला है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की धरती भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और उनके संदेशों की पावन भूमि है। मथुरा, गोकुल, वृंदावन, गोवर्धन, बरसाना और नंदगांव आज भी सनातन सांस्कृतिक चेतना के जीवंत केंद्र हैं।

अंकित बालियान हत्याकांड: ओपी राजभर का अखिलेश पर तंज, बोले-जिस पर राजनीति कर रहे थे, उसके हत्यारे नर्क पहुंच गए

अंकित बालियान हत्याकांड पर ओपी राजभर ने अखिलेश यादव पर तंज कसा है। कहा कि आप जिस पर राजनीति कर रहे थे, उसके हत्यारे नर्क पहुंच गए हैं।यूपी में अंकित बालियान हत्याकांड को लेकर सियासत तेज हो गई है। सुभासपा अध्यक्ष ओपी राजभर ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर तंज कसा है। एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा कि आप जिस पर राजनीति कर रहे थे। अब उसके हत्यारे नर्क में पहुंच गए हैं।
आगे लिखा कि किसी बेटे की लाश पर जाट लिखकर राजनीति करना संवेदना नहीं, सौदागरी है। हत्या जैसे गंभीर मामले को जातीय राजनीति से नहीं जोड़ना चाहिए। हत्या मानवता के खिलाफ अपराध है, किसी गोत्र की जागीर नहीं। ओपी राजभर ने कहा कि सपा मुखिया को जाट तब याद आया, जब चुनाव आने वाला है। जनता सब देख रही है। जाति की राजनीति भी और पुलिस के कानून व्यवस्था के राज को भी। दरअसल, अंकित बालियान की हत्या के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को मुठभेड़ में मार गिराया है।

मायावती का चुनावी मंथन, बोलीं- विरोधियों के चुनावी रेवड़ियों से रहें सावधान, जेन जी का किया समर्थन

यूपी चुनाव को लेकर मायावती ने राजधानी में अहम बैठक की। इसमें सभी जिलों के जिलाध्यक्ष और पदाधिकारियों के साथ चर्चा की राजधानी लखनऊ में बसपा सुप्रीमो मायावती ने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर सोमवार को पार्टी की महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में प्रदेश के सभी राज्य स्तरीय पदाधिकारी और सभी 75 जिलों के जिलाध्यक्ष शामिल हुए। इसमें दिवंगत विधायक उमाशंकर सिंह के बेटे युकेश भी उपस्थित रहे। इस दौरान आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों और संगठन की प्रगति की समीक्षा की गई। मायावती ने पार्टी नेताओं को चुनावी तैयारियां और तेज करने के निर्देश दिए। कहा कि बदलते राजनीतिक हालात को देखते हुए संगठन को और प्रभावी बनाया जाए, ताकि विरोधियों के साम-दाम, दंड और भेद जैसे हथकंडों का मजबूती से सामना किया जा सके। उन्होंने दावा किया कि बसपा उत्तर प्रदेश में पांचवीं बार ऐसी सरकार बनाने के लिए काम करेगी, जो कानून के जरिए कानून का बेहतर राज और 'सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय' के उद्देश्य को पूरा करे।चुनावी वादों और घोषणाओं को लेकर किया आगाह- मायावती ने कहा कि चुनाव से पहले महिलाओं समेत विभिन्न वर्गों को निजी लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं, लुभावने वादों और घोषणाओं के जरिये चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की जाती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं और जनता को ऐसे वादों से सावधान रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद सरकार बनने पर वादाखिलाफी की शिकायतें सामने आती हैं। ऐसे में जनता को विरोधी दलों के छलावे और विश्वासघात से बचते हुए अपने विवेक से स्वतंत्र एवं निष्पक्ष होकर मत-न करना चाहिए।कांशीराम की पुण्यतिथि पर भव्य कार्यक्रम की तैयारी-बैठक में बसपा संस्थापक एवं जन्मदाता मान्यवर कांशीराम की 09 अक्तूबर को होने वाली पुण्यतिथि के कार्यक्रम की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। निर्देश दिया कि इस वर्ष कार्यक्रम लखनऊ में वीआईपी रोड स्थित 'बौद्ध स्मृति उपवन' के सामने विकसित किए गए भव्य 'मान्यवर श्री कांशीराम जी स्मारक स्थल' में आयोजित किया जाएगा। बसपा की ओर से जारी बयान के अनुसार, कार्यक्रम में पश्चिमी उत्तर प्रदेश समेत प्रदेशभर से लोग शामिल होंगे और कांशीराम को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। पार्टी ने इस कार्यक्रम को ' कांशीराम का मिशन अधूरा, बीएसपी करेगी पूरा' और 'बहनजी करेंगी पूरा' जैसे संकल्पों के साथ आयोजित करने की बात कही है। जताई चिंता- मायावती ने पड़ोसी देश नेपाल में बाढ़ से जान-माल के भारी नुकसान पर भी दुख जताया। उन्होंने प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए केंद्र और राज्य सरकारों से बाढ़ प्रभावित लोगों की हरसंभव मदद तत्काल पहुंचाने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि आपदा योजनाओं का लाभ जरूरतमंद परिवारों तक समय से पहुंचाया जाए तो यह उचित कदम होगा। बाढ़ हर वर्ष आने वाली त्रासदी है, इसलिए इसके स्थायी समाधान के लिए भी गंभीरता से काम किए जाने की जरूरत है।

अखिलेश यादव बोले- विपक्ष के नेताओं को बदनाम करने के लिए एआई वीडियो बनाकर वायरल कर रही सरकार

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। पीडब्ल्यूडी में जमकर लूट मची हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष को बदनाम करने के लिए एआई वीडियो का सहारा ले रही है।सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को लखनऊ में मीडिया को संबोधित करते हुए योगी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार विपक्ष के नेताओं को बदनाम करने के लिए एआई से वीडियो बनाकर सर्कुलेट कर रही है। वो ऐसा न करें एआई में हम उन्हें पीछे कर देंगे। कांफ्रेंस में सीएम योगी को लेकर बनाए गए एक एआई वीडियो को भी दिखाया गया जिसमें प्रदेश सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाने सहित कई मुद्दे उठाए गए। उन्होंने कहा कि सरकार हमें बदनाम करने के लिए बच्चों के खेल न खेले एआई में हम उनसे काफी आगे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में इस समय बड़े पैमाने पर लूट हो रही है। ये अब तक यूपी की सबसे ज्यादा भ्रष्ट सरकार है। सरकार स्कूल बंद करवा रही है। हम बंद किए गए स्कूलों में जाकर कार्यक्रम करेंगे और लोगों को सरकार के कारनामे बताएंगे।योगी सरकार ने कानपुर लखनऊ एक्सप्रेस वे बनाया जिसमें गड्ढे हो गए। अब कहा जा रहा है कि डिजाइन बनाने में गड़बड़ी हुई तो ऐसे में सवाल है कि इसमें गलती किसकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया था वो भी खराब हो गया है। उसमें गड्ढे हो गए हैं। उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी में लूट मची हुई है। प्रयागराज में कुंभ से लेकर अब तक 1 लाख करोड़ से ज्यादा खर्च हो गया है पर क्या विकास हुआ है। सरकार में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। प्रदेश भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। जयंत चौधरी को 61 सीटें मिलें तो सम्मान बढ़ेगा- अखिलेश यादव ने कैबिनेट मंत्री जयंत चौधरी को लेकर कहा कि भाजपा उन्हें 61 सीटें दे तब उनका सम्मान होगा। इससे कम सीटें देने पर उनका अपमान माना जाएगा।

संपादकीय Editorial

NITI Aayog's 'Barren' Youth

NITI Aayog's new report, "Reimagining Skills for a Developed India 2047," has been released. The report makes such revelations on education, employment, youth and their productivity, which suggest that most of our youth are "barren"! They are not part of the country's workforce. Unemployment is undoubtedly a serious problem, but education also faces many questions. According to the report, there are 87 million youth in the age group of 15-29 who are neither studying, working, nor receiving any training. Approximately 58% of them are busy with domestic work, meaning they are sitting at home, even though this age is considered the most "fertile." People work and generate resources for themselves and the country. This can be considered a "demographic dividend." 65% of the country's population is under 35 years of age; this alone cannot be the basis for a "demographic dividend." According to the report, only 8.25% of young graduates find jobs commensurate with their education and degrees. The remaining graduates' education is not considered employable, thus posing a significant problem for industrialists and employers. Unemployed youth are lacking skills. Their degrees are merely "pieces of paper." Unemployed graduates constitute 13%, while among female graduates, unemployment is 20.4%. The country's total workforce (working people) is 654 million, but only 14.19% receive regular salaries or wages. Nearly 270 million people in the non-agricultural sector lack social security. The most alarming and questionable statistic is that 823,556 government positions in the central government are vacant. Why doesn't the government recruit for these positions? The situation is similar in state governments, where millions of government positions remain vacant, yet jobs are not being filled. Governments outsource and contract jobs to reduce the billions in pension burden. This is a terrifying and questionable situation. There are 2.41 lakh vacant positions in the Ministry of Defense and over 2.40 lakh vacant positions in the Railways. Are such sensitive and important ministries being run without adequate workforce? The national security and mobility are also at stake. Perhaps this is why the country's youth, both Gen-G and Gen-Alpha, are seething, angry, and agitated.Currently, youth are on the streets in cities like Delhi, Bhopal, Patna, Raipur, Lucknow, Sagar (MP), Sirohi (Rajasthan), and Mahoba (UP). They are protesting, facing lathicharge, tear gas, and strong water cannons that hamper their progress. Yet, they are fighting for their rights and for a change in the system. When children are held in buffalo and cow sheds, 512 children are crammed into just four rooms, a single teacher teaches all classes, and there are no clean toilets, no drinking water, and no fans or desks in the classrooms, how will a child studying in such a school receive any education or employment? In states where assembly elections are due in the coming months, job announcements are being made. For example, Chief Minister Yogi Adityanath has announced one lakh jobs in Uttar Pradesh within the next six months. He has also announced a fund of ?1871 crore for the renovation of schools. Similarly, the Rajasthan government has announced a fund of ?12,500 crore. In Barwani, Madhya Pradesh, the Gen-G organized a 20-kilometer-long procession. Through many such efforts, the Gen-G has created a situation of uproar against governments. Surprisingly, the Union Territory of Lakshadweep has the highest unemployment rate in the country at 36.2 percent, while Kerala and Haryana have the highest unemployment rates among states. NITI Aayog has recommended that skill training.

You are a passenger of Indian Railways, please protect your nose!

In our country, the nose isn't just a symbol of respect and order. Therefore, when a rat bit off the nose of a 78-year-old passenger in First AC, it wasn't just a matter of a passenger getting injured, it was also a matter of the Railways' reputation. Some people are suggesting that, to protect its reputation, the Railways should keep a cat in every coach. If it wishes, it should also appoint cats on permanent or contract basis. A department should be established to train these cats. Trained cats should be deployed at night. If a rat is seen, the cat should chase and catch it. If it isn't seen, the cat should go to sleep. Both actions would be in keeping with Railway tradition. Students in Indian schools become aware of the importance of the nose as early as the sixth or seventh grade. No matter what other body part is severed, the nose should not be cut. The nose is not just an organ, but the most sensitive life-giving organ in our society. The face has eyes and ears, but no one has ever spent sleepless nights worrying about "cutting off ears" or "cutting off eyes." One may or may not hold one's head high in society, but one must keep one's nose high. The nose has thousands of enemies. The number of people who judge others has increased so much that the common man is now looking for a shield, not a handkerchief, to protect his own. In such an environment, protecting one's own nose is no small matter; it is a national duty, and the entire system of respect depends on the nose. Now, Indian Railways has given a new dimension to this old system. The nose, which until now was cut only in proverbs, was cut off literally this time. That too in a first-AC coach. The Rat's Equality Principle: A 78-year-old retired officer traveling from Chandigarh to Indore was sleeping in the first-AC compartment. At around 10:30 pm, a rat came and bit his nose and ran away. When the passenger opened his eyes in pain, he saw the Indian Railways system in which the passenger gets a berth to sleep and the rat gets a nose to bite. Usually, the mention of First AC conjures up a civilized world: clean curtains, white sheets, a soft pillow, and an unspoken assurance of a peaceful night. But for a rat, what's the difference between sleeper and First AC? It treats everything with equanimity. It's not that it thought it might find a better quality of clothes in First AC, so it settled for First AC. It followed life's simplest principle: "Everyone is equal in this fleeting world."

However, in this case, the family had previously complained about a rat roaming the train. There had also been a complaint about the filth. The filth was inanimate, so it was caught, and the sanitation workers reached the problem with a broom. But the other problem was moving on its own, so it got two steps ahead of them. Ultimately, instead of catching the rat, the railways gave it the right to roam as a free citizen. The rat probably understood that a complaint doesn't mean action, it only means information. The rat had enough time to see when action would be taken. It used that time wisely. It flew out and landed directly on the passenger's nose.

But little did the rat know that it wasn't gnawing at someone's windpipe, but at the pride of Indian society, and the incident was instantly recorded in the Hindi literary idiom - "The nose is cut!"

The railway's nose is also a nose - the most important thing in this entire incident is that the nose makes news. Now that rat is no ordinary rat. Earlier, people would often say, "The railway's nose is cut." In response, the railway would often say, "No, the system is fine." But this time, the railway doesn't have much to say, because the passenger's nose was literally gnawed, and the railway's nose was idiomically cut.

Now the railway faces two noses - one the passenger's and the other its own. The passenger's nose can be bandaged or injected. What will be done to the railway's nose is a serious question.

Those familiar with the railway's operations say that, to save face, the railway should issue a press release stating, "The incident is unfortunate. An investigation has been ordered. Pest control will be increased. The sanitation system is being reviewed. Reports are being sought from the concerned officials."

The railway now keeps a cat—and a rat? What action will the railway take if it needs to? The Gujri Guru from my village is quite imaginative in such complex matters. He suggests that the railway should keep a cat in every coach. If it wishes, it can also employ cats on permanent or contractual basis. Then, speaking as an expert, he said, "A department should be established to train cats. The trained cats should be deployed at night. If they see a rat, they should chase and catch it. If they don't, they should go to sleep. Both actions would be in keeping with railway tradition.

If they see it..." This "if" is a very useful word in our system. Like a multivitamin pill, anyone can use it anywhere. If the rat is caught by the cats, it can be considered a great success for the railways, and if the rat deceives them, it can be considered their cleverness. In both situations, the railways remain safe. Here, the passenger's situation is a little more difficult. He has to go to the hospital, get an injection, and return home with his nose.

In such cases, the complaint will be registered in the system - "The passenger was bitten by a rat." It will not be written that the rat bit his nose.

In the railway system, a person is first a passenger and then a complainant. The nose does not come in between. But even in this digital age, in our society, the nose is less a personal property and more a social asset. A person worries about his nose. And society is always busy cutting off his nose. In marriage, jobs, politics, and relationships, noses are in danger everywhere.

Now, even on the train, protecting one's nose has become a major issue. And the rat poses the biggest challenge in this crisis. It attacked the nose of a 78-year-old passenger, demonstrating that there are no safety categories on Indian Railways.

Keep your nose safe while sleeping! - Now, if the Railways wishes, there are many lessons to learn from this incident. A nose protector could be provided with First AC tickets. A small sign could be placed next to the berth where the number is written: "Passengers, please keep your nose safe while sleeping." Another piece of advice from Gujri Guru has emerged in this entire matter.

He says, "If the Railways doesn't understand the cat issue, they should start issuing tickets to rats as well. At least they should know which coach they are traveling in." While the train driver is enjoying this triangular game of cat, mouse, and railway, those who have recently traveled by train are taking it seriously. The complaint of "rats biting luggage" has evolved to "rats biting passengers' noses."

If the number of complaints increases, the Railways may issue its historic clarification: "The safety of passengers' noses is our top priority, provided passengers keep their noses within limits!"

How prepared are we? The Himalayas are extremely vulnerable due to unplanned human activities, ignoring boundaries is dangerous for society.

The recent devastating floods in Nepal have once again raised the question: when the Himalayas are becoming increasingly vulnerable due to climate change, rapidly melting glaciers, and unplanned human activities, how prepared is India for the disasters arising from these changing conditions?

This question is important because the tragedy in Nepal cannot be dismissed as merely a natural disaster in a neighboring country. It also poses a serious warning for India, as the Himalayan ecology is not bound by political boundaries, and any major change in it could directly impact India's geography and economy. It is noteworthy that in 2024, ISRO reported that of the 2,431 glacial lakes larger than 10 hectares in the Indian Himalayan river basin, 676 lakes had grown significantly between 1984 and 2023. Similarly, a recent study by the Himachal Pradesh Council for Science, Technology and Environment has highlighted the serious threat posed by over two thousand lakes formed by melting glaciers in the Trans-Himalayan region.

The risks associated with these lakes are exacerbated for Himachal, Jammu and Kashmir, and Punjab because Himalayan rivers are the lifelines of these regions. Furthermore, the impact of a mountain-borne disaster can reach the plains within hours. In recent years, India has witnessed several major flash floods, including the 2013 Kedarnath tragedy, the 2021 Chamoli disaster, the 2023 glacier lake outburst in Sikkim, and last year's Dharali disaster, which claimed hundreds of lives and caused widespread damage.

It is clear, therefore, that the balance between development and the environment in the Himalayas is no longer just a concern of environmentalists, but also a matter of national security and economic stability. It's good that the National Disaster Management Authority (NDMA) is planning to launch a detailed study of this incident in Nepal. However, it's equally important to ensure that natural disaster monitoring systems function properly and that warnings from them are disseminated to the public in a timely manner. It's also crucial to understand that the Himalayas have their own geological limits and ecological carrying capacity. Ignoring these limits could ultimately pose a threat to the very society whose economic development is being pursued.

मुरादाबाद में तेंदुए के खौफ के बीच राहत, लौंगी खुर्द में 11वां गुलदार पिंजरे में कैद

मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा स्थित लौंगी खुर्द गांव में वन विभाग ने एक तेंदुए को पिंजरे में पकड़ा है। यह अभियान में पकड़ा गया 11वां तेंदुआ है, जिससे ग्रामीणों को तेंदुए के हमलों के खौफ से राहत मिली है।

मुरादाबाद के लौंगी खुर्द में तेंदुआ पिंजरे में फंसा। अभियान में पकड़ा गया यह 11वां तेंदुआ है। ग्रामीणों को तेंदुए के खौफ से मिली बड़ी राहत।ठाकुरद्वारा के गांवों में तेंदुए का खौफ और चार परिवारों का दर्द अभी लोगों के मस्तिष्क से निकला नहीं है।

वन विभाग के पिंजरे में ग्राम लौंगी खुर्द में सोमवार पिंजरे में एक तेंदुए फंस गया। इसके साथ ही अभियान में पकड़े गए तेंदुओं की संख्या 11 हो गई है। तेंदुए के हमलों ने ग्रामीणों को डरा दिया है। तेंदुए ने ले ली थी जान- तीन अगस्त को लालापुर पीपलसाना गांव में तेंदुए ने संतोष देवी पर हमला कर उनकी जान ले ली थी। संतोष की मौत के बाद गांव में मातम के साथ ही तेंदुए का खौफ गहरा गया। लोगों को उम्मीद थी कि शायद अब हमले रुक जाएंगे,

लेकिन खतरा टला नहीं। इसके बाद बलिया गांव में तेंदुए ने हमला कर दो महिलाओं समेत तीन लोगों की जान ले ली। लगातार हो रही घटनाओं ने ग्रामीणों की नींद उड़ा दी। लोग खेत में जाने से डर रहे थे खेतों में जाने से पहले लोग कई बार सोचने लगे। जंगल और खेतों की ओर जाने वाले रास्तों पर सन्नाटा पसरा रहने लगा।

बच्चों और महिलाओं को अकेले बाहर भेजने में भी परिवार डरने लगे। तेंदुए की तलाश में वन विभाग ने अभियान तेज किया और संवेदनशील इलाकों में ट्रैप केज लगाकर निगरानी शुरू की। इसी अभियान के दौरान सोमवार को लौंगी खुर्द में ट्रैप केज में तेंदुआ फंस गया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तेंदुए को सुरक्षित रेस्क्यू किया। तेंदुए को नियमानुसार सुरक्षित स्थान पर भेजने की कार्रवाई की जा रही है। अभियान में पकड़ा गया 11वां तेंदुआ वन विभाग अधिकारी विनय कुमार सिंह ने बताया कि ठाकुरद्वारा रेंज के ग्राम लौंगी खुर्द में ट्रैप केज के माध्यम से एक तेंदुए का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया है। यह अभियान में पकड़ा गया 11वां तेंदुआ है। क्षेत्र में तेंदुओं की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है और जहां भी उनकी मौजूदगी की सूचना मिल रही है, वहां निगरानी बढ़ाई जा रही है।

मुरादाबाद सैनी सभा भंग, तेंदुए के हमले के पीड़ितों के लिए मुआवजे की मांग

मुरादाबाद की जिला सैनी सभा की बैठक में तेंदुए के हमले में मारे गए लोगों के लिए शोक व्यक्त किया गया और मुआवजे की मांग की गई। बैठक में जिला सैनी सभा की कार्यकारिणी को भंग कर दिया गया और अक्टूबर तक नए जिलाध्यक्ष के चुनाव का निर्णय लिया गया।तेंदुए के हमले में तीन महिलाओं, एक पुरुष की मौत पर शोक।

मृतकों के स्वजन को उचित मुआवजा दिलाने की प्रशासन से मांग। जिला सैनी सभा की कार्यकारिणी तत्काल प्रभाव से भंग की गई।जिला सैनी सभा मुरादाबाद की बैठक में ठाकुरद्वारा क्षेत्र के गांव बलिया और लालापुर पीपलसाना में तेंदुए के हमले में तीन महिलाओं और एक पुरुष की मौत पर शोक जताया गया। पदाधिकारियों ने प्रशासन से मृतकों के स्वजन को उचित मुआवजा दिलाने की मांग उठाई। इस संबंध में जिलाधिकारी को ज्ञापन देने पर भी सहमति बनी।

इसके अलावा जिला सैनी सभा मुरादाबाद की कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से भंग करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। जिलाध्यक्ष को भी पदमुक्त कर दिया गया। इसके साथ ही महिला इकाई और महानगर इकाई की कार्यकारिणी भी भंग कर दी गई।संरक्षक मंडल की एक समिति गठित की गई, जिसे अक्टूबर तक नए जिलाध्यक्ष का चुनाव कराने की जिम्मेदारी दी गई। बैठक की अध्यक्षता पूर्व विधायक बलराम सिंह सैनी ने की और संचालन नेत्रपाल सिंह सैनी ने किया।

बैठक में किशन लाल सैनी, बीके सैनी, महेंद्र सिंह सैनी, मनमोहन सैनी, मास्टर जय प्रकाश सैनी, लाखन सिंह सैनी एडवोकेट, जयपाल सिंह सैनी, अजय सैनी सीए, वेद प्रकाश सैनी, हरपाल सिंह सैनी, आरके भारत सैनी, अमर सिंह सैनी, किशन सिंह सैनी, शर्मा सिंह सैनी, हरपाल सिंह सैनी डबल फाटक और विनोद कुमार सैनी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

मुरादाबाद में हादसा: तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर, पिता गंभीर रूप से जखमी, बेटे की जान गई

मुरादाबाद में कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इसमें पिता-पुत्र जख्मी हो गए। उपचार के दौरान बेटे ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर मुंढापांडे थाना क्षेत्र में सिहोराबाजे के पास रविवार दोपहर तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार पिता-पुत्र घायल हो गए। जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने पुत्र प्रकाश राघव उर्फ मोहित को मृत घोषित कर दिया।

वहीं हादसे के बाद चालक कार लेकर भाग गया।

लाइनपार चाऊ की बस्ती निवासी प्रकाश राघव उर्फ मोहित (28) एक प्राइवेट बैंक में क्रेडिट कार्ड डिपार्टमेंट में काम करता था। रविवार को सूचना मिली कि उसकी ममेरी बहन की सास का निधन हो गया है। प्रकाश राघव अपने पिता धर्मेंद्र को साथ लेकर बाइक से रामपुर स्थित रिश्तेदारी में जा रहा था।सिहोराबाजे के समीप पहुंचने पर पीछे से आ रही कार ने बाइक में टक्कर मार दी।

हादसे में प्रकाश राघव और उसके पिता धर्मेंद्र राघव घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद मूंढापांडे की पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। यहां डॉक्टरों ने प्रकाश राघव को देखने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया। युवक की मौत की सूचना के बाद रोते-बिलखते परिजन मोर्चरी पर पहुंच गए।

पुलिस की पूछताछ से पता चला कि प्रकाश के परिवार में पत्नी नेहा उर्फ उपासना और उसका ढाई साल का एक बेटा आकांक्ष, मां कविता और बड़ा भाई आकाश मौजूद हैं।

इस बारे में एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह का कहना है कि कार चालक की तलाश करने के लिए पुलिस सीसीटीवी खंगाल रही है।मां मृत बेटे के जूतों को सीने में दबाकर रोती रही हादसे के बाद प्रकाश राघव की मां कविता बेटे का शव देखने के बाद बदहवास हो गई। वह बेटे के जूते अपने सीने में दबाए रो रही थीं। परिजनों ने उनसे जूते लेने की कोशिश की लेकिन वह जूतों को छोड़ने के लिए तैयार नहीं थीं। बार-बार पुलिसकर्मियों से पास जाकर कह रही थीं कि साहब, मेरे बेटे को टक्कर मारने वाले कार चालक को पकड़ लो, वह भाग गया है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बिलारी (मुरादाबाद)

नोटिस ::

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मोहल्ला अब्दुल्ला दक्षिणी वार्ड संख्या-23, तहसील बिलारी स्थित भवन संख्या-242 जो गृहकर अभिलेखों में श्रीमती रईसा खातून पत्नी श्री मो0 कमर निवासी मोहल्ला अब्दुल्ला कस्बा व तहसील बिलारी जिला मुरादाबाद के नाम दर्ज है पर श्री इरफान पुत्र श्री इकबाल निवासी ग्राम जलालपुर खास, हॉल निवासी मो0 अब्दुल्ला, तहसील बिलारी जिला मुरादाबाद के द्वारा उक्त भवन के गृहकर अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में एक प्रार्थना पत्र दिनांक 11/06/2026 को प्रेषित किया गया है। जिसके साथ इनके द्वारा प्रार्थना पत्र के साथ विक्रय पत्र की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित की गयी है।

क्र म सं0	भवन संख्या	मोहल्ला	वर्तमान में दर्ज नाम	नाम परिवर्तन की दशा में गृहकर का प्रकार
1	242	अब्दुल्ला	श्रीमती रईसा खातून पत्नी श्री मो0 कमर	श्री इरफान पुत्र श्री इकबाल

उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस नोटिस की तिथि से 30 दिन के भीतर अपनी आपत्ति साक्ष्यों सहित प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

राजस्व-निरीक्षक
नगर पालिका परिषद बिलारी
(मुरादाबाद)

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बिलारी (मुरादाबाद)

नोटिस ::

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मोहल्ला अन्सारियान वार्ड संख्या-15 स्थित बिलारी स्थित भवन संख्या-53 जो गृहकर अभिलेखों में श्री मोहम्मद शफीक पुत्र श्री अब्दुल वहीद निवासी मोहल्ला अन्सारियान फुलवार वाली मस्जिद के पास व तहसील बिलारी जिला मुरादाबाद के नाम दर्ज है एवं श्रीमती आसमा बी पत्नी श्री मो0 जरीफ निवासी मोहल्ला अन्सारियान तहसील बिलारी जिला मुरादाबाद के द्वारा उक्त भवन के आंशिक भाग 34.58 वर्गमीटर पर गृहकर अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में एक प्रार्थना पत्र दिनांक-01/08/2026 को प्रेषित किया गया है। जिसके साक्ष्य में इनके द्वारा प्रार्थना पत्र के साथ विक्रय पत्र की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित की गयी है।

क्र म सं0	भवन संख्या	मोहल्ला	वर्तमान में दर्ज नाम	नाम परिवर्तन की दशा में गृहकर का प्रकार	
1	53	अन्सारियान	श्री मोहम्मद शफीक पुत्र श्री अब्दुल वहीद	53/01	श्रीमती आसमा बी पत्नी श्री मो0 जरीफ

उक्त के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस नोटिस की दिनांक से 30 दिन के भीतर अपनी आपत्ति मय साक्ष्य के प्रस्तुत कर सकता है। बीत जाने मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

राजस्व निरीक्षक
नगर पालिका परिषद बिलारी
(मुरादाबाद)

बाजारों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की धूम... पगड़ी-मोर मुकुट की खरीदारी शुरू

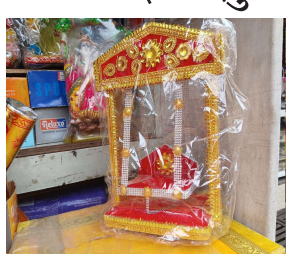

रामपुर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार नजदीक आते ही बाजारों में कान्हा की भक्ति और उत्सव की रंगत दिखाई देने लगी है। दुकानों पर बिक्री एक से बढ़कर एक आकर्षक पगड़ी, मोर मुकुट, सिंहासन और पालने सज गए हैं। बाजारों में खरीदारी से चलह-पहल भी बढ़ गई है।

चार सितंबर को मनाई जाने वाली जन्माष्टमी को लेकर तैयारियां शुरू कर दी है। जन्माष्टमी पर घरों में बाल गोपाल की झांकी सजाने और उन्हें विशेष रूप से तैयार करने की परंपरा है। इसे देखते हुए दुकानदारों ने इस बार कान्हा के लिए आकर्षक कपड़ों और सजावटी सामान की कई वेरायटी मंगाई हैं। बाजार में बाल स्वरूप कृष्ण के लिए छोटे-छोटे कुर्ते, धोती, पोशाक और अन्य परिधानों का अच्छा संग्रह उपलब्ध है। वहीं राधा का रूप सजाने के लिए भी बच्चों के लिए सुंदर कपड़े बाजार में पहुंच गए हैं। यह कपड़े 150 से 400 रुपये तक बिक रहे हैं।कान्हा के जन्मोत्सव पर घरों में पालना सजाने की भी खास तैयारी की जाती है। बाजार में 150 से 500 रुपये तक के आकर्षक पालने उपलब्ध हैं। इनमें अलग-अलग डिजाइन और सजावट वाले पालने लोगों को पसंद आ रहे हैं। इसके अलावा कान्हा की बांसुरी, पगड़ी, मोरपंख और अन्य सजावटी सामान भी दुकानों पर खूब नजर आ रहे हैं। दुकानदारों के मुताबिक जन्माष्टमी नजदीक आने के साथ ही खरीदारी में और तेजी आने की उम्मीद है। लोग अपनी पसंद के अनुसार कान्हा के लिए पोशाक, पगड़ी, बांसुरी, मोरपंख और पालने की खरीदारी कर रहे हैं। पंजाबी मार्केट, ज्वाला नगर, मिस्टनगंज समेत कई छोटी दुकानें भी गली मोहल्लों में लगी हैं, जहां पर सारा सामान मिल जाएगा।दुकानदार अशोक सैनी ने बताया कि बाजार में एक से बढ़कर एक आइटम उपलब्ध हैं, जिनकी खरीदारी हो रही है। एक दो दिन में जमकर खरीदारी के आसार बने हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद में स्वाइन फ्लू की चपेट में आकर पूर्व बैंक प्रबंधक की मौत, आइसीयू में ले जाते समय हुआ निधन

मुरादाबाद में प्रथमा बैंक के एक सेवानिवृत्त प्रबंधक की स्वाइन फ्लू से मौत हो गई, उन्हें आईसीयू में ले जाते समय निधन हो गया। उन्हें 26 अगस्त को बुखार आया था और 27 को स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई थी, लेकिन इलाज के लिए कई अस्पतालों में भटकना पड़ा।सेवानिवृत्त बैंक प्रबंधक की मुरादाबाद में स्वाइन फ्लू से हुई मौत। आईसीयू में ले जाते समय पूर्व प्रबंधक ने तोड़ा दम। इलाज के लिए कई अस्पतालों में भटकना पड़ा परिवार को।स्वाइन फ्लू से प्रथमा बैंक के सेवानिवृत्त प्रबंधक की शनिवार रात मौत हो गई। हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें विवेकानंद अस्पताल लेकर पहुंचे थे। ईसीजी करने पर धड़कन असामान्य मिली। आइसीयू में ले जाते समय उन्होंने दम तोड़ा। उन्हें 26 अगस्त को बुखार आया था, कासमास अस्पताल में 27 को स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई थी। दो अस्पतालों में उन्हें उपचार नहीं मिला, जिसके बाद सरकारी अस्पताल में भर्ती किया गया। कार्डियो की दिक्कत के चलते रेफर कर दिया गया।तब स्वजन अस्पताल की जगह घर ले गए, जहां उनकी हालत बिगड़ गई और शनिवार रात जान चली गई। जिला सर्विलांस अधिकारी डा.प्रवीण श्रीवास्तव ने बताया कि स्वाइन फ्लू से मौत संबंधी कोई जानकारी नहीं मिली है। प्रकरण का पता लगाया जा रहा।

पहले दिन 400 बुजुर्ग महिलाओं ने उठाया मुफ्त सफर का लाभ

रामपुर। 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं के लिए सरकार की ओर से शुरू की गई निशुल्क बस यात्रा योजना का जिले में असर दिखने लगा। योजना लागू होने के पहले दिन करीब 400 महिलाओं ने रोडवेज बसों में बिना किराया सफर का लाभ उठाया। आने वाले दिनों में यात्रियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। सरकार की इस पहल के तहत 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को रोडवेज बसों में यात्रा के लिए किराया नहीं देना होगा। योजना का लाभ लेने के लिए पात्र महिलाओं को अपनी आयु से संबंधित वैध पहचान पत्र दिखाना होगा। इसके बाद उन्हें बस में निशुल्क यात्रा की सुविधा दी जा रही है। रविवार को योजना के पहले दिन रामपुर रोडवेज डिपो से संचालित विभिन्न मार्गों की बसों में बुजुर्ग महिलाओं ने सफर किया। इनमें सबसे अधिक यात्री दिल्ली, हल्द्वानी और लखनऊ रूट की बसों में नजर आईं। इन मार्गों पर जाने वाली बसों में महिलाओं ने योजना का लाभ उठाते हुए अपने गंतव्य तक यात्रा की। इस दौरान शनिवार देर रात से रविवार तक 400 महिलाओं ने मुफ्त सफर किया है।रोडवेज अधिकारियों के मुताबिक, योजना के बारे में महिलाओं तक धीरे-धीरे जानकारी पहुंच रही है। ऐसे में आने वाले दिनों में निशुल्क यात्रा का लाभ लेने वाली महिलाओं की संख्या बढ़ सकती है। इस सुविधा से उन्हें आवागमन में आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है।90 हजार महिलाओं को मिलेगा लाभ-जिले में 60 या फिर उससे अधिक उम्र की महिलाओं की संख्या करीब 90 हजार है, जिन्हें सरकार की ओर से शुरू की गई इस योजना का लाभ मिल सकेगा। क्या बोलीं महिलाएं- इस योजना को तो काफी पहले ही शुरू हो जाना चाहिए था। सरकार ने यह योजना बुजुर्गों को ध्यान में रखकर निकाली है। यह काफी बेहतरीन योजना है। टिकट के लिए किसी ने अब तक नहीं कहा। -मोनी अभी रोडवेज डिपो पर आकर खड़ी हुई हूं। यह योजना काफी बेहतर है, मुझसे कंडक्टर ने टिकट के लिए पूछा ही नहीं। बस आधार कार्ड दिखाना पड़ा और चेक कर वापस दे दिया। -उर्मिला कंडक्टर से पूछ कर सुबह जो बस मिली थी उससे चल दिए थे। अभी तक कोई दिक्कत नहीं आई है। कंडक्टर ने आधार कार्ड मांगा था, वो भी दिखा दिया और टिकट के पैसे नहीं लिए। -राजकुमारी देर रात से ही योजना को प्रभावी कर संचालन शुरू करा दिया गया था। सुबह भी महिलाएं चढ़ी हैं। पहले दिन हालांकि 60 साल से ऊपर की महिला यात्री कम रही हैं, लेकिन टिकट के पैसे नहीं लिए गए, निशुल्क सफर कराया गया।-रामप्रकाश, डिपो प्रभारी, रोडवेज डिपो, रामपुर। कैसे मिलेगा लाभ- डिपो प्रभारी राम प्रकाश के अनुसार, प्रदेश सरकार द्वारा 60 वर्ष या फिर उससे अधिक उम्र की महिलाओं को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की साधारण बसों में आजीवन निशुल्क यात्रा का लाभ लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना के तहत दिया जा रहा है। यह सुविधा केवल उत्तर प्रदेश की मूल निवासी और 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिलाओं के लिए है। बस में यात्रा के दौरान महिलाओं को अपनी आयु और मूल निवास की पुष्टि के लिए केवल अपना आधार कार्ड या वोटर आईडी कार्ड दिखाना होगा। दस्तावेज दिखाने पर कंडक्टर द्वारा शून्य मूल्य का निशुल्क टिकट जारी किया जाएगा।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

लंबित विवेचनाओं पर DIG अजय कुमार साहनी सख्त, अपराध नियंत्रण को लेकर अफसरों की ली क्लास

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। पुलिस उपमहानिरीक्षक अजय कुमार साहनी ने बरेली परिक्षेत्र के चारों जनपदों के पुलिस अधीक्षकों के साथ अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था और यातायात व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने लंबित विवेचनाओं और जनशिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में IGRS शिकायतों, CCTNS पर 60/90 दिन से लंबित विवेचनाओं तथा ई-साक्ष्य ऐप के अधिकाधिक उपयोग की समीक्षा की गई। अधिकारियों को वीडियोग्राफी बयान, फोटो व फॉरेन्सिक रिपोर्ट जैसे साक्ष्यों को ई-साक्ष्य से जोड़ने के निर्देश दिए गए। न्यायालयों से समन्वय कर ई-समन की तामीला भी समय से कराने को कहा गया। डीआईजी ने मादक पदार्थ तस्करों, गैंगस्टरों, गौतस्करों और वांछित अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई तथा गैंगस्टर एक्ट में संपत्ति जब्ती की कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए। हत्या, लूट, डकैती, वाहन चोरी, महिला अपराध, दहेज हत्या, पॉक्सो, अपहरण और धर्मान्तरण जैसे गंभीर मामलों की भी समीक्षा की गई। साइबर अपराधों पर प्रभावी रोकथाम, साइबर हेल्प-डेस्क को सक्रिय करने और ठगी की रकम की त्वरित कार्रवाई पर जोर दिया गया। Zero Fatality District अभियान के तहत यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के निर्देश दिए गए। वहीं मिशन शक्ति के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन, महिला बीट प्रणाली को मजबूत करने और सोशल मीडिया पर सतर्क निगरानी रखते हुए अफवाहों का समयबद्ध खंडन करने के भी निर्देश दिए गए। डीआईजी ने स्पष्ट किया कि अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने में किसी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मानदेय अटका तो पंचायत सहायकों ने खोला मोर्चा, 7 सितंबर से लखनऊ में अनिश्चितकालीन धरना

- अमरिया के पंचायत सहायकों ने डीपीआरओ को भेजा ज्ञापन, 30 हजार मानदेय, राज्य कर्मचारी का दर्जा और 50% क्षैतिज आरक्षण की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत। अमरिया विकासखंड में ग्राम पंचायतों की ऑनलाइन और डिजिटल व्यवस्था को संभालने वाले पंचायत सहायकों का धैर्य अब जवाब देने लगा है। लंबित मानदेय समेत विभिन्न मांगों को लेकर पंचायत सहायक कर्मचारी यूनियन ब्लॉक शाखा अमरिया ने मोर्चा खोलते हुए जिला पंचायत राज अधिकारी को ज्ञापन भेजा है। संगठन ने मांगों पर प्रभावी कार्रवाई न होने पर 7 सितंबर 2026 से लखनऊ में अनिश्चितकालीन विशाल धरना-प्रदर्शन शुरू करने का ऐलान किया है।

पंचायत सहायकों का कहना है कि ग्राम पंचायत स्तर पर शासन और विभाग से जुड़े ऑनलाइन, डिजिटल एवं प्रशासनिक कार्यों का लगातार जिम्मेदारी से निर्वहन किया जा रहा है, लेकिन कई पंचायत सहायकों का मानदेय कई माह से लंबित है। समय पर भुगतान नहीं होने से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो रहा है।

ज्ञापन के जरिए मुख्यमंत्री से पंचायत सहायकों की छह वर्ष की प्रतिवद्धीकरण प्रक्रिया शुरू कराने, मानदेय बढ़ाकर 30 हजार रुपये प्रतिमाह करने अथवा कम से कम 25 हजार रुपये मानदेय के साथ डेटा एंट्री ऑपरेटर का अतिरिक्त मानदेय देने की मांग की गई है। संगठन ने संविदा/अनुबंध व्यवस्था समाप्त कर स्थायी सेवा नियमावली बनाने और राज्य कर्मचारी का दर्जा देने की भी मांग उठाई है। इसके अलावा महिला पंचायत सहायकों के लिए मातृत्व अवकाश, स्थानांतरण एवं समायोजन नीति तथा ग्राम विकास अधिकारी/ग्राम पंचायत अधिकारी की भर्ती में 50 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण दिए जाने की मांग की गई है। यूनियन ने पंचायत राज निदेशालय के अगस्त 2026 के पत्र का हवाला देते हुए कहा कि पंचायत सहायकों के मानदेय का समयबद्ध और नियमित भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश पहले ही दिए जा चुके हैं। भुगतान में देरी अथवा लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदारी तय करने की बात भी पत्र में कही गई है। आंदोलन की अगुवाई ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रप्रीत सिंह, उपाध्यक्ष रुचि गंगवार, महामंत्री कर्मप्रीत सिंह, संगठन मंत्री मो. उवैस, कोषाध्यक्ष मो. अनस, सहकोषाध्यक्ष मरियम बी, मीडिया प्रभारी मनोज वर्मा, सचिव उमेश राठौर, उपसचिव सर्वेश कुमार, संयोजक नूर फातमा तथा सूचना एवं प्रचारण मंत्री इकरार अहमद समेत अन्य पदाधिकारी कर रहे हैं। संगठन के जिलाध्यक्ष शंखधार अमन भी मांगों को लेकर सक्रिय हैं। यूनियन ने साफ चेतावनी दी है कि यदि समय रहते मांगों का समाधान नहीं हुआ तो 7 सितंबर से लखनऊ में अनिश्चितकालीन धरना और कार्य बहिष्कार किया जाएगा। ऐसे में पंचायत सहायकों के आंदोलन का सीधा असर ग्राम पंचायतों की ऑनलाइन और डिजिटल सेवाओं पर पड़ने की संभावना है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

एच 1 एन 1 को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट , बरेली में एक समेत पांच मरीज चिन्हित

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। इन्फ्लुएंजा ए (एच1एन1) की रोकथाम और समय पर उपचार को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह ने बताया कि जनपद में एच1एन1 के पांच मरीज चिन्हित हुए हैं, जिनमें एक बरेली,

तीन नोएडा और एक लखनऊ में है। उन्होंने लोगों से बुखार, खांसी, जुकाम, गले में खराश या फ्लू जैसे लक्षण होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की। जिला सर्वेलेंस अधिकारी डॉ. प्रशांत रंजन ने बताया कि मरीजों को लक्षणों की गंभीरता के आधार पर उपचार दिया जाएगा। सांस लेने में तकलीफ, ऑक्सीजन की कमी, लगातार तेज बुखार या हालत बिगड़ने पर तत्काल जांच व उपचार की व्यवस्था रहेगी। गंभीर मामलों में रिपोर्ट का इंतजार किए बिना चिकित्सकीय सलाह पर एंटीवायरल दवा ओसेल्टामिविर शुरू की जा सकती है। जिला अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आरसी दीक्षित ने बताया कि गंभीर मरीजों के लिए ऑक्सीजन सुविधा वाले छह बेड आरक्षित किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने स्क्रीनिंग, संक्रमण नियंत्रण और संदिग्ध व पुष्ट मामलों की निगरानी के निर्देश दिए हैं। बचाव जरूरी- मास्क पहनें, भीड़ से बचें, खांसते-छींकते समय मुंह ढकें, हाथों की सफाई रखें और पर्याप्त तरल पदार्थ लें। चिकित्सक की सलाह के बिना एंटीबायोटिक या अन्य दवाएं न लें।

जिला अस्पताल में उमड़ी मरीजों की भीड़, गले की परेशानी से बढ़े मरीज

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। मौसम में बदलाव के बीच सोमवार को जिला अस्पताल की ओपीडी में मरीजों की खासी भीड़ रही। बुखार और पेट संबंधी बीमारियों के

साथ ही गले में परेशानी के मरीजों की संख्या भी बढ़ गई है। नाक, कान और गला रोग विशेषज्ञ की ओपीडी में मरीजों की लंबी लाइन लगी रही। गले में खराश, दर्द, निगलने में परेशानी और आवाज बैठने की शिकायत लेकर बड़ी संख्या में मरीज पहुंचे। चिकित्सकों के मुताबिक बदलते मौसम में तापमान में उतार-चढ़ाव और वायरल संक्रमण के कारण गले से जुड़ी दिक्कतें बढ़ रही हैं। मरीजों को ठंडी चीजों से परहेज और पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की सलाह दी जा रही है। जिला अस्पताल में पर्चा काउंटर और पैथोलॉजी में भी मरीजों की भीड़ रही। सोमवार को अस्पताल परिसर में पंजीकरण से लेकर जांच और चिकित्सकीय परामर्श तक मरीजों को काफी इंतजार करना पड़ा।

फर्जी दस्तावेजों से लोन दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। भोजीपुरा थाना पुलिस ने फर्जी दस्तावेज से लोन दिलाने वाले गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से तीन लाख 50 हजार रुपये नकद, डेबिट कार्ड, पासबुक और कई फर्जी दस्तावेज बरामद हुए हैं। भोजीपुरा थाना पुलिस ने पुलिस ने गिरोह के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से तीन लाख 50 हजार रुपये नकद, 28 चेकबुक, सात बैंक पासबुक, 75 डेबिट कार्ड, आठ आधार कार्ड, फर्जी पहचान पत्र, दो पैन कार्ड और 12 मोबाइल फोन समेत काफी मात्रा में सामान बरामद हुआ है। सोमवार को पुलिस अधीक्षक उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्र ने प्रेसवार्ता में बताया कि गिरोह के सदस्य फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लोगों से संपर्क करते थे और उनके नाम पर बैंक खाते खुलवाकर लोन की रकम हासिल करते थे। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि वे लोगों के आधार कार्ड में पता बदलकर नए सिम हासिल करते थे, जिसके बाद अलग-अलग बैंकों में खाते खुलवाकर फर्जी पहचान पत्र और अन्य दस्तावेज तैयार किए जाते थे।

आरबीएसके ने खोजी मासूम की बीमारी, लखनऊ में कराया मुफ्त ऑपरेशन

मरौरी के खपरैल गौटिया में जांच के दौरान मिला स्पाइना बाइफिडा, सरकारी खर्च पर हुआ उपचार

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) की टीम ने समय पर बीमारी की पहचान कर एक मासूम के इलाज की राह आसान कर दी। मरौरी विकासखंड के ग्राम खपरैल गौटिया निवासी पूजा के करीब 1.6 वर्षीय बच्चे में स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट (स्पाइना बाइफिडा) जैसी गंभीर जन्मजात बीमारी की पहचान हुई। इसके बाद टीम ने परिजनों को बीमारी की गंभीरता और उपलब्ध सरकारी उपचार सुविधाओं की जानकारी देकर इलाज के लिए प्रेरित किया। मरौरी ब्लॉक की आरबीएसके टीम-ए में शामिल

डॉ. दिनेश कुमार, ऑप्टोमेट्रिस्ट राजीव कुमार और स्टाफ नर्स माला शर्मा ने स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान बच्चे की जांच की। जन्मजात बीमारी की जानकारी सामने आने के बाद टीम ने तत्काल आगे के उपचार की प्रक्रिया शुरू कराई। बच्चे को सरकारी एंबुलेंस से डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, लखनऊ भेजा गया, जहां सरकारी खर्च पर उसकी सर्जरी कराई गई। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लिए नि:शुल्क उपचार बड़ी राहत साबित हुआ। परिजनों ने आरबीएसके टीम और स्वास्थ्य विभाग का आभार जताते हुए कहा कि समय पर बीमारी की पहचान होने और बिना आर्थिक बोझ के उपचार मिलने से उनके बच्चे के भविष्य को नई उम्मीद मिली है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार आरबीएसके के माध्यम से बच्चों में जन्मजात बीमारियों और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की समय रहते पहचान कर उन्हें विशेषज्ञ उपचार से जोड़ा जा रहा है। विभाग का कहना है कि इस पहल से जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक राहत मिलने के साथ बच्चों के बेहतर भविष्य की राह भी आसान हो रही है।

स्वाइन फ्लू पर कमिश्नर सख्त, अस्पतालों में बनेगा अतिरिक्त वार्ड

- फार्मर रजिस्ट्री, गौशाला, स्वास्थ्य व अवैध शराब पर भी दिए कड़े निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। विकास भवन सभागार में सोमवार को मंडलीय समीक्षा बैठक हुई। मंडलायुक्त शंभू कुमार ने अधिकारियों को योजनाओं की प्रगति में तेजी लाने और जनसमस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने छूटे किसानों की फार्मर रजिस्ट्री अभियान चलाकर पूरी कराने तथा खाद की कमी और ओवररेटिंग पर प्रभावी रोक लगाने को कहा। आंगनबाड़ी भर्ती में पारदर्शिता बरतने और कुपोषित बच्चों की फीडिंग में सुधार के निर्देश दिए। पशुपालन विभाग की समीक्षा में सहभागिता योजना के तहत अधिक से अधिक पशु उपलब्ध कराने तथा सड़क पर घूम रहे गोवंश को अभियान चलाकर संरक्षित करने को कहा। गौशाला निर्माण की धीमी गति पर नाराजगी जताते हुए जलभराव वाली गौशालाओं की सूची मांगी। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर दवाओं की शत-प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों को देखते हुए अस्पतालों में अतिरिक्त वार्ड बनाने को कहा। 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाने में तेजी लाने तथा डेंगू-मलेरिया से बचाव के लिए स्कूलों और गांवों में जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। निर्माणाधीन परियोजनाओं को शीघ्र पूरा कर संबंधित विभागों को हैंडओवर करने और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा। सीएम डैशबोर्ड की लगातार निगरानी के निर्देश भी दिए गए। कर-करेत्तर की समीक्षा में अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाने तथा अवैध बस संचालन पर कार्रवाई के निर्देश दिए। आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता से संतुष्टि का फीडबैक लेने को भी कहा गया। बैठक में बरेली विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष सौम्या पांडे सहित मंडल के जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कमेटी के सदस्य एक्स ई एन गौशाला चारे के घोटाले की जांच करने पहुंचे। शिकायत कर्ता के बयान दर्ज कर शासन को भेजेंगे रिपोर्ट !

- एक सप्ताह में शासन से मांगी गई आख्या की जांच दो महीने बाद शुरू हो पाई

क्यूँ न लिखूँ सच /फतेहगंज पश्चिमी / जून माह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद को संबोधित शिकायत पत्र में भाजपा नेता आशीष अग्रवाल नगर पंचायत फतेहगंज पश्चिमी के ईओ पुष्पेंद्र राठौर पर गौशाला चारे के भुगतान में लाखों रुपयों के गबन की शिकायत के प्रकरण में शासन के विशेष सचिव राजेश्वर सिंह ने जिलाधिकारी बरेली को जांच कर सप्ताह भर में रिपोर्ट तलब की थी

जिसमें अपर जिलाधिकारी पूर्णिमा सिंह ने उपजिलाधिकारी मीरगंज, अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग बरेली एवं खंड विकास अधिकारी मीरगंज की त्रिस्तरीय कमेटी गठित की थी।

इसी क्रम में आज एक्स ई एन विनय शर्मा ने नगर पंचायत कार्यालय पहुंचकर शिकायत कर्ता आशीष अग्रवाल के बयान दर्ज कर गौशाला संबंधी भुगतान के दस्तावेज की जांच की। जांच के दौरान चेयरमैन और ईओ के उपस्थित नहीं थे।

शिकायत में पूर्व ईओ शिवलाल राम ने छ माह में तीन लाख पचास हजार के चारे का भुगतान किया था परंतु ईओ पुष्पेंद्र राठौर की तैनाती से गौ शाला के चारे का मासिक भुगतान तीन लाख के करीब पहुंच कर कई गुना बढ़ा दिया गया

जबकि गौ शाला में रहने वाले पशुओं की संख्या के अनुसार उनको मानक अनुरूप चारा एवं सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं

दबंगों ने फिल्मी स्टाइल में बुलेट आगे लगा बस को रोका , चालक- परिचालक को पीटा

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो /बरेली। दबंगों ने सरेराह सिटी बस के आगे बुलेट लगाकर रास्ता रोका और फिर चालक- परिचालक के साथ मारपीट की। चालक आरोपियों की शिकायत करने थाने पहुंचा तो आरोपी लोगों को हिरासत में लिया है। भोजीपुरा सिंह ने बताया कि वह रविवार दोपहर लेकर मिनी बाईपास की ओर जा रहे थे। एक बुलेट पर तीन लोग उनकी बस के ही आरोपियों ने चालक व परिचालक पर आरोपी मारपीट तक पहुंच गए और लोगों की भीड़ जुट गई। चालक बस

पीछा करते हुए थाने तक आ गए। चालक ने सारी बात पुलिस को बताई, जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में ले लिया। उनसे पूछताछ की जाने लगी। भी वहां पहुंच गए। पुलिस ने मामले में तीन के पीपलसाना निवासी सिटी बस चालक रंजीत परिचालक आशीष के साथ जंक्शन से बस जब वह डेलापीर चौराहे के पास पहुंचे तो आगे आए और रास्ता रोक लिया। बस रुकते से गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने जान से मारने की धमकी देने लगे। मौके पर लेकर इज्जतनगर थाने पहुंचा तो आरोपी उसका

सभासद पहुंचे तो गौशाला में डाल दिया अंदर से ताला!

भूसा बदबूदार, हरा चारा गायब, चोकर का भी नहीं मिला अता-पता; एसडीएम के निर्देश पर पहुंचे लेखपाल ने किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच /फतेहगंज पश्चिमी / फतेहगंज पश्चिमी। नगर पंचायत की कान्हा गौशाला में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब दो सभासद व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे। सभासदों का आरोप है कि गौशाला में अव्यवस्थाओं को लेकर कर्मचारी और केयरटेकर से सवाल-जवाब करने के बाद जैसे ही वे गेट के बाहर आए, गौशाला का गेट अंदर से बंद कर ताला डाल दिया गया। सभासदों ने आरोप लगाया कि यह ताला अधिशासी अधिकारी के आदेश पर डाला गया, ताकि गौशाला में चल रही कथित अनियमितताएं सामने न आ सकें। सभासद अबोध सिंह और धर्मेंद्र सिंह उर्फ मोनू ठाकुर के अनुसार, गौशाला में गोवंश को दिया जा रहा भूसा भी खाने योग्य नहीं था। भूसा काला, सीलनयुक्त और दुर्गंध वाला मिला। मामले की शिकायत सभासद अबोध सिंह ने एसडीएम निधि शुक्ला से फोन पर की। एसडीएम ने तत्काल संज्ञान लेते हुए लेखपाल आदित्य गंगवार को मौके पर भेजा। लेखपाल के पहुंचने के बाद गौशाला के गेट पर लगा ताला खुलवाया गया। एसडीएम के निर्देश पर लेखपाल ने गौशाला का निरीक्षण किया। सभासदों के अनुसार, निरीक्षण के दौरान पौष्टिक आहार के नाम पर चोकर मौके पर नहीं मिला। हरा चारा भी उपलब्ध नहीं था। गोवंश के लिए रखा भूसा सीलनयुक्त और दुर्गंध वाला पाया गया। गौशाला के केयरटेकर ने लेखपाल को बताया कि चोकर एक दिन पहले ही खत्म हो गया था और सोमवार को उसे मंगाया गया है। निरीक्षण के बाद लेखपाल आदित्य गंगवार ने अपनी रिपोर्ट उप जिलाधिकारी निधि शुक्ला को भेज दी है।सभासद अबोध सिंह और धर्मेंद्र सिंह उर्फ मोनू ठाकुर ने कहा कि गौशाला की व्यवस्थाओं को लेकर उन्होंने अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया है। अब वे उप जिलाधिकारी स्तर से होने वाली जांच और उसके बाद जिम्मेदार लोगों पर की जाने वाली कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं। सभासदों ने गौशाला में गोवंश को पर्याप्त पौष्टिक आहार, हरा चारा और गुणवत्तापूर्ण भूसा उपलब्ध कराने की मांग की है।

6 महीने से फाइलों में घूम रही शिकायत समस्या जस की तस, गड्ढों में तब्दील हुआ मीरापुर रोड लोग परेशान

क्यूँ न लिखूँ सच /फतेहगंज पश्चिमी / एक तरफ केंद्र सरकार प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत हर गांव और कस्बे को पक्की सड़कों से जोड़कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने का दावा करती है, वहीं दूसरी तरफ मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना जैसी योजनाओं का मूल मकसद ग्रामीण व कस्बाई इलाकों में अंतिम छोर तक सुलभ, सुरक्षित और निर्बाध सार्वजनिक परिवहन पहुंचाना है। लेकिन जनपद बरेली के कस्बा फतेहगंज पश्चिमी में बीडीओ कार्यालय से रहपुरा अंडरपास तक का 400 मीटर लंबा मीरापुर रोड इन सभी सरकारी योजनाओं और दावों की धज्जियां उड़ा रहा है बीडीओ कार्यालय के मुख्य गेट से रहपुरा अंडरपास तक जाने वाला लगभग 400 मीटर लंबा मीरापुर रोड अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। इस प्रकरण में छात्र असद अंसारी द्वारा मुख्यमंत्री पोर्टल पर 24 फरवरी 2026 को दर्ज कराई गई शिकायत के 6 महीने बीत जाने के बावजूद अभी तक किसी का ध्यान नहीं है शिकायत को पहले लोक निर्माण विभाग और अब पंचायती राज विभाग के बीच घुमाया जा रहा है, जबकि धरातल पर लोग हादसों का शिकार हो रहे हैं। गड्ढों में भरा बारिश का पानी, गाड़ियां फंस रहीं- बरसात के मौसम में इस सड़क की स्थिति बदहाल हो चुकी है। सड़क पूरी तरह टूटकर गहरे-गहरे गड्ढों में तब्दील हो गई है, जिनमें बारिश का गंदा पानी लबालब भरा हुआ है।

गड्ढों की गहराई का अंदाजा न लगने के कारण आए दिन दोपहिया वाहन चालक फिसलकर चोटिल हो रहे हैं, वहीं चारपहिया और भारी वाहन कीचड़ व पानी में फंस रहे हैं। राहगीरों और स्थानीय व्यापारियों का पैदल निकलना भी दूभर हो गया है।

यह मार्ग मुख्य संपर्क मार्गों में से एक है, क्योंकि यह कई गांवों को कस्बे से जोड़ने का काम करता है यह मार्ग मीरापुर, रहपुरा, भोलापुर समेत कई गांवों को फतेहगंज पश्चिमी कस्बे से जोड़ता है। दिनभर इस मार्ग पर बड़ी संख्या में दोपहिया, चारपहिया और अन्य वाहनों की आवाजाही होती है। इसके बावजूद सड़क की मरम्मत की ओर जिम्मेदार विभागों का ध्यान नहीं जा रहा है। फाइलों में घूम रही शिकायत, कस्बा निवासी असद अंसारी ने जनहित को ध्यान में रखते हुए फरवरी में शिकायत दर्ज कराई थी। शुरुआत में मामला पीडब्लूडी से संबंधित था, लेकिन विभागों के बीच जिम्मेदारी के फेर में इसे पंचायती राज विभाग को ट्रांसफर कर दिया गया। वर्तमान में यह मामला सहायक विकास अधिकारी (एडीओ) बहेड़ी के पास लंबित है। पोर्टल पर इसे 28 अगस्त 2026 को आगे बढ़ाते हुए निस्तारण की अंतिम तिथि 12 सितंबर 2026 तय की गई है। मीरापुर निवासी व्यापारी मयंक गंगवार का कहना है कि यह मार्ग रहपुरा, मीरापुर, खिलचीपुर सहित तमाम गांवों को फतेहगंज पश्चिमी से जोड़ता है सड़क गड्ढों में है या गड्ढों में सड़क है यह बता पाना मुश्किल है लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है इस कारण समस्या जस की तस बनी हुई है

नेपाल बाढ़ त्रासदी व सड़क हादसों के मृतकों को दी श्रद्धांजलि, रखा मौन

समोदिया क्यूँ न लिखूँ सच। विद्या भारती से संबद्ध जन शिक्षा समिति पश्चिम उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित ग्राम भारती पिलखुआ, हापुड़ ग्रामीण शिक्षा अंतर्गत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रुस्तम नगर रामपुर में नेपाल में आई बाढ़ की विभीषिका तथा बिहार और झारखंड में कोसी नदी के विकराल रूप के कारण हुई जनहानि पर शोक व्यक्त किया गया। प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा के नेतृत्व में विद्यालय के भैया-बहनों एवं आचार्यों ने दिवंगत लोगों की आत्मा की शांति के लिए मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवारों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस दौरान नेपाल में फंसे अथवा निवास कर रहे भारतीयों तथा कैलाश मानसरोवर यात्रा से जुड़े लोगों की कुशलता की भी कामना की गई। वहीं रक्षाबंधन पर्व के दौरान बहनों के घर आते-जाते सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले लोगों को भी मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में बृज किशोर मौर्य, नरोत्तम सिंह मौर्य, उमेश कुमार, संजय सिंह, गौरव सिंह, सुनील कुमार, प्रकाश बाबू, अनिल कुमार, दिलीप कुमार, विजेंद्र सिंह, प्रेमपाल, सुनीता रानी मौर्य, अंजली मौर्य, विनीता, पूजा, टैगोर तथा कन्या भारती की पदाधिकारी एवं वंदना प्रमुख बहनों ने सहभागिता की।

जाहरवीर गोगाजी के दर्शन को बागड़ धाम रवाना हुआ बेड़ा

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच। मोहल्ला अब्दुल्ला स्थित शिव मंदिर से सोमवार को जाहरवीर गोगाजी के पावन धाम बागड़ धाम (गोगामेड़ी, जिला हनुमानगढ़, राजस्थान) के लिए श्रद्धालुओं का बेड़ा रवाना हुआ। बेड़े के महंत बालमुकुंद गुप्ता के नेतृत्व में श्रद्धालु गोगाजी के दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए रवाना हुए।

इस दौरान राजू गुप्ता, अमित गुप्ता, चंद्रपाल कश्यप उर्फ बाबू, कल्लू सैनी, शंभू सरन गुप्ता, शकील अहमद सहित अनेक श्रद्धालु शामिल रहे। बेड़े के संरक्षक अखिलेश पांडे, भगवान चंद सक्सेना, रोमी बंसल, राजू बंसल, शुभ, समर्थ, सुनील गुप्ता और ध्यान सिंह आदि रहे। महंत बालमुकुंद गुप्ता ने बताया कि जाहरवीर गोगाजी के दर्शन के लिए यह यात्रा लगातार 48वें वर्ष दर्शन करने जा रही है। उन्होंने कहा कि जाहरवीर गोगाजी की कृपा उनके परिवार, बेड़े में शामिल श्रद्धालुओं और देशभर में रहने वाले सभी भक्तों पर सदैव बनी रहे, यही उनकी प्रार्थना है। बेड़े के रवाना होने से पूर्व श्रद्धालुओं ने शिव मंदिर में पूजा-अर्चना की और जाहरवीर गोगाजी के जयकारों के साथ मंगलमय यात्रा की कामना की।

जिस बेटे के रिजल्ट पर कभी छलके थे माता-पिता के आंसू, आज उसी पर्व के हुनर ने मुंबई के बड़े मंच तक पहुंचाया

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच। कभी बेटे की पढ़ाई और उसके भविष्य को लेकर चिंतित रहने वाले बिलारी निवासी एवं ब्राइट फ्यूचर पब्लिक स्कूल के प्रबंधक रतीश शर्मा आज अपने बेटे पर्व की सफलता पर गर्व से फूले नहीं समा रहे हैं। जिस बेटे के परीक्षा परिणाम को देखकर एक समय रतीश शर्मा और उनकी पत्नी भावुक होकर रो पड़े थे, आज उसी बेटे ने अपने हुनर के बल पर मुंबई के बड़े मंच तक पहुंचकर न केवल माता-पिता का सिर गर्व से ऊंचा किया है, बल्कि बिलारी का नाम भी रोशन किया है।रतीश शर्मा मूल रूप से बिलारी के निवासी हैं और वर्तमान में मुरादाबाद में रहते हैं।

कुछ समय पहले रतीश शर्मा अपने बेटे पर्व की पढ़ाई को लेकर काफी चिंतित रहते थे। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया था कि एक समय ऐसा भी आया, जब बेटे का परीक्षा परिणाम देखकर वह और उनकी पत्नी बेहद भावुक हो गए थे। उनका कहना था कि पर्व की रुचि पढ़ाई के बजाय किसी दूसरे क्षेत्र की ओर अधिक हो गई है और वह उसी दिशा में अपना भविष्य बनाना चाहता हैउस समय उन्हें यही सलाह दी गई थी कि बच्चे की रुचि और प्रतिभा को पहचानते हुए उसे उसी क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर देना चाहिए, जिसमें उसका वास्तविक लगाव हो। क्योंकि हर बच्चे की क्षमता और सफलता का रास्ता एक जैसा नहीं होता। यदि बच्चे को उसकी रुचि के अनुरूप सही दिशा, प्रोत्साहन और अवसर मिल जाए तो वह अपनी प्रतिभा के बल पर बड़ी से बड़ी मंजिल हासिल कर सकता हैसमय ने इस बात को सच साबित कर दिया। आज पर्व ने अपने हुनर के दम पर मुंबई के एक बड़े मंच पर अपनी अलग पहचान बनाई है।

सबसे भावुक और गौरवान्वित करने वाला क्षण तब देखने को मिला, जब रैपर और प्रसिद्ध कलाकार बादशाह पर्व के पिता रतीश शर्मा का हाथ पकड़कर उन्हें मंच पर अपने बेटे पर्व के पास लेकर आए।

बड़े मंच पर बेटे के साथ खड़े पिता के लिए यह क्षण बेहद भावुक और गर्व से भरा हुआ था।जिस बेटे की पढ़ाई और भविष्य को लेकर कभी माता-पिता की आंखों से आंसू छलक पड़े थे, आज उसी बेटे के हुनर ने उन्हें ऐसे बड़े मंच तक पहुंचा दिया, जिसकी शायद उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। पर्व की इस उपलब्धि ने रतीश शर्मा और उनके परिवार को गौरवान्वित किया है।पर्व की सफलता उन सभी अभिभावकों के लिए भी एक प्रेरणादायक संदेश है, जो बच्चों के भविष्य को केवल अपनी पसंद और पारंपरिक सोच के आधार पर तय करना चाहते हैं। जरूरी है कि बच्चों की प्रतिभा को पहचाना जाए, उनकी रुचि को समझा जाए और उन्हें अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए उचित मार्गदर्शन और अवसर दिया जाए। क्योंकि सही दिशा और प्रोत्साहन मिलने पर बच्चे का हुनर ही एक दिन उसकी पहचान बनता है और वही प्रतिभा उसे उन ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है, जहां पहुंचने की कल्पना शायद माता-पिता ने भी कभी न की हो।बिलारी के लिए भी पर्व की यह उपलब्धि गर्व का विषय है।

उनकी सफलता यह संदेश देती है कि बच्चों पर अपनी अधूरी इच्छाएं और पसंद थोपने के बजाय उनकी क्षमता, प्रतिभा और रुचि को समझना चाहिए। सही समय पर मिला विश्वास, प्रोत्साहन और अवसर बच्चे को न केवल सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचाता है, बल्कि एक दिन वही बच्चा अपने माता-पिता को भी गर्व से ऐसी ऊंचाइयों पर खड़ा कर देता है, जहां पहुंचने का सपना उन्होंने कभी देखा भी नहीं होता।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा नेता सचिन हत्याकांड के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। थाना सुभाषनगर क्षेत्र में मढ़ीनाथ चौकी अंतर्गत वंशीनगला स्थित सचिन कश्यप की चाकू मारकर हत्या के मामले में पुलिस के हाथ लगे आरोपी आशीष मौर्य से पुलिस की पूछताछ में घटना की वजह सामने आई । प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार नैन बताया कि 28 अगस्त की रात सचिन कश्यप ने बबू उर्फ रोहित को बच्चों को बिगाड़ने और वंश से चोरी करने की बात को लेकर टोका था। इसी बात पर दोनों में विवाद शुरू हो गया। पुलिस पूछताछ में आशीष ने बताया कि करीब दो माह पहले भी इसी मुद्दे को लेकर सचिन और बबू के बीच झगड़ा हुआ था। घटना वाली रात विवाद बढ़ने पर आशीष और अमित उर्फ भज्जी ने सचिन को पकड़ लिया। इसके बाद बबू उर्फ रोहित घर के अंदर से चाकू लेकर आया और सचिन के सीने में वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से सचिन की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। मामले में पुलिस ने आरोपी आशीष मौर्य को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गौ रक्षा सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज चौधरी का बिलारी में जोरदार स्वागत

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच। गौ रक्षा सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज चौधरी के बिलारी पहुंचने पर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित गांधी मूर्ति चौराहे पर कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने फूल-मालाओं से उनका जोरदार स्वागत किया। स्वागत समारोह का आयोजन पूर्व सभासद गजराम सिंह वाल्मीकि के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में युवा एवं सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। युवा नेता कपिल राज ने राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज चौधरी का स्वागत करते हुए कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने युवाओं से सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी और एकजुटता बनाए रखने का आह्वान किया। स्वागत समारोह में विजय कश्यप, अमित प्रधान, राजदीप सिंह, निशांत सक्सेना सहित अनेक कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज चौधरी कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों के साथ कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, जहां उनका उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और पूरा आयोजन सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

तीन बार की ग्राम प्रधान नूर सभा ने विधायक मोहम्मद फहीम इरफान से की शिष्टाचार मुलाकात

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच। सहसपुर अलीनगर, अमरोहा की तीन बार ग्राम प्रधान रह चुकीं नूर सभा उर्फ निशा ने सोमवार को बिलारी विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच क्षेत्रीय एवं सामाजिक विषयों को लेकर विचार-विमर्श हुआ। नूर सभा अपने मिलनसार व्यवहार एवं जनसेवा के कार्यों के लिए क्षेत्र में जानी जाती हैं। विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान ने उनका स्वागत करते हुए कुशलक्षेम जाना। मुलाकात सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

सात सितंबर को निकलेगी 63वीं फूल डोल शोभायात्रा, कंस वध व दंगल का होगा आयोजन

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच। नगर में सात सितंबर को 63वां मेला फूल डोल शोभायात्रा एवं कंस वध का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को भव्य एवं आकर्षक बनाने के लिए नगर मेला कमेटी की बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों और व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा कर पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में सनातन धर्मार्थ ट्रस्ट के अध्यक्ष पंकज चौहान ने माता काली मंदिर के समीप स्थित कच्चे स्थान पर मिट्टी डलवाकर अखाड़ा तैयार कराने का सुझाव रखा, जिस पर सभी सदस्यों ने सहमति जताई। व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष मोहम्मद आलम के निर्देशन में दंगल आयोजित होगा, जबकि हरौरा गांव निवासी चौधरी राजेश सिंह उर्फ खन्ना पहलवान को रेफरी का दायित्व सौंपा गया है। मेला स्थल के निकट जूनियर हाईस्कूल मैदान में अभिषेक शर्मा एडवोकेट के निर्देशन में पतंग प्रतियोगिता होगी। मेला स्थल पर कंस के विशाल पुतले का दहन भी किया जाएगा।शोभायात्रा शाम चार बजे मंदिर गामा देवत के प्रांगण से आरंभ होगी, जो मुन्ना श्रोत्रिय के घर के सामने से होते हुए डॉ. मदन बंसल वाले मार्ग, शकील हलवाई के निकट से झंडा चौक, रैली चौक, नेहरू चौक, सर्राफा बाजार, गांधी आश्रम और नई सड़क से गांधी मूर्ति चौराहे पहुंचेगी। इसके बाद राष्ट्रीय राजमार्ग और महाराणा प्रताप चौक होते हुए शाहबाद रोड स्थित मंदिर पौड़ा खेड़ा पहुंचकर मेले में सम्मिलित होगी। शोभायात्रा में जनता बैंड एवं भारत बैंड के कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इसके अलावा दो डीजे, चलचित्र आधारित पांच झांकियां, चार रथों वाली झांकियां तथा नगर मेला कमेटी की ओर से मां दुर्गा का सिंहासन आकर्षण का केंद्र रहेगा।नगर मेला कमेटी के अध्यक्ष संजय जैन ने कहा कि यह आयोजन नगर की पुरानी धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक है और इसे पूरे उत्साह एवं भव्यता के साथ आयोजित किया जाएगा। बैठक में मेला संयोजक कौशल ठाकुर, सलीम अहमद, बिशन सिंह यादव, नीरज रुहेला, विशाल गुप्ता, महेश कश्यप, मास्टर सलीम, दुष्यंत चौहान, सभासद निहाल सिंह लाठर, अभिषेक पांडेय, निखिल पांडे, रमाकांत गुप्ता, सनी सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

स्व0मेजर ध्यानचंद जन्म दिवस के सुअवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन के परिणाम

क्यूँ न लिखूँ सच /नीरज कुमार/ उरई । राष्ट्रीय खेल दिवस-2026 के उपलक्ष्य में जिला खेल कार्यालय उरई जालौन के तत्वाधान में दिनांक 29 अगस्त 2026 को प्रातः 10ः00 बजे से स्टेडियम में योगा सेसन का आयोजन किया गया जिसमें सुमित कुमार योगाचार्य द्वारा स्टेडियम के खिलाडियों, प्रशिक्षको / अभिभावको, अधिकारियो / कर्मचारियो, को योगाभ्यास कराया गया जिसमें 58 लोग लाभान्वित हुए। तदोपरान्त बाल पास कार्यक्रम का आयोजन कर खिलाडियों ने खेल एकता का परिचय दिया। इसके उपरान्त 11ः30 बजे स्व0 मेजर ध्यानचन्द जी के जन्म दिवस पर उनके चित्र पर फूल मालाओ से श्रद्धासुमन अर्पित कर जनपद स्तरीय बालक हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद की 06 टीमों के खिलाडियों ने प्रतिभाग किया। जिसके फाइनल मैच इन्दिरा स्टेडियम बनाम जनता विधा मंदिर के मध्यम खेला गया जिसमें इन्दिरा स्टेडियम उरई की टीम 2-0 गोल से विजेता रहने का गौरब प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका महेन्द्र सिंह पटेल व मिथलेश सिंह व्यायाम शिक्षक, पूजा कुमारी हॉकी प्रशिक्षक, मुकेश भारतीय सुरिन्दर कौर, राजेन्द्र कुमार पाल ने निभायी। इस अवसर पर उपस्थित माननीय विधायक सदर गौरी शंकर वर्मा जी के कर कमलो से विजेता, उपविजेता खिलाडियों एवं निर्णायको को पुरस्कार प्रदान किये गये तथा अपने उद्बोधन में दद्दा ध्यानचन्द जी को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी संचालन कीडा अधिकारी उरई ने किया।

दिनांक 30 व 31 अगस्त 2026 को जनपद स्तरीय बैडमिन्टन, कबड्डी एवं तैराकी खेल की प्रतियोगितायें सम्पन्न की गयी जिसके परिणाम निम्नवत् रहे- बैडमिन्टन परिणाम एकल बालक वर्ग में बंश प्रजापति प्रथम, देवांश शर्मा द्वितीय एवं सार्थक सिंह तृतीय स्थान पर रहे। एकल बालिका वर्ग में कु0 राधा प्रथम, स्वाती चौहान द्वितीय एवं काजल तृतीय स्थान पर रही है निर्णायक की भूमिका शैलेन्द्र कुशवाहा, एनआईएस प्रशिक्षक / क्रीड़ा अधिकारी उरई ने निभायी।तैराकी परिणाम बालक वर्ग 50 मी0 फ्रीस्टाइल में उर्जित गोस्वामी प्रथम, ज्ञानेन्द्र कुशवाहा द्वितीय एवं चैतन्य सोनी तृतीय स्थान पर रहे तथा बालिका वर्ग 50 मी0फी स्टाल में कु0 सीता गोस्वामी प्रथम, आध्या गुप्ता द्वितीय एवं कोकिल कुशवाहा तृतीय स्थान पर जिसमें निर्णायक की भूमिका मुकेश भारतीया व मो0 जीशान ने निभायी।कबड्डी परिणम - इसमें जनपद की 04 टीमो ने भाग लिया जिसमें फाइनल मैच जय माँ दुर्गे कबड्डी क्लब इटहिया जालौन बनाम ग्राम-डीहा के मध्यम खेला गया जिसमें जय माँ दुर्गे कबड्डी क्लब ईटहिया 12-10 अंको से विजेता बनी । निर्णायक की भूमिका महेन्द्र सिंह पटेल, सुरिन्दर कौर, मिथलेश सिंह आदि ने निभायी। समस्त उपरोकत स्थान प्राप्त खिलाडियों को अखिलेश तिवारी परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण जनपद जालौन के करकमलों से पुरस्कार प्रदान किय गये। कार्यक्रम का संचालन शैलेन्द्र कुशवाहा क्रीड़ा अधिकारी उरई द्वारा किया गया । इस अवसर पर रेखा राजा, अरविन्द कुमार मिश्रा, डा0 जे0के0 गुप्ता आदि गणतान्य नागरिक एवं अभिभाविक उपस्थित रहे।

मोहम्मद कैफ ने नॉर्थ इंडिया ओपन पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में जीते पांच स्वर्ण, बने बेस्ट लिफ्टर

♦ 782.5 किलोग्राम कुल भार उठाकर बनाया नया रिकॉर्ड, अक्टूबर में जापान में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच। हरिद्वार के वंदना कटारिया रोशनाबाद स्टेडियम में 29 से 31 अगस्त तक आयोजित नॉर्थ इंडिया ओपन पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में मोहम्मद कैफ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच स्वर्ण पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया। उत्तराखंड-उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए 100 किलोग्राम ओपन भार वर्ग में उतरे कैफ ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर ओवरऑल 'बेस्ट लिफ्टर' का खिताब भी अपने नाम किया। प्रतियोगिता में दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, चंडीगढ़ और श्रीनगर सहित 12 से अधिक राज्यों के तीन हजार से अधिक खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। मोहम्मद कैफ ने कुल 782.5 किलोग्राम भार उठाकर नॉर्थ इंडिया ओपन पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2026 में नया कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने डेडलिफ्ट में 300 किलोग्राम, बेंच प्रेस में 190 किलोग्राम तथा स्क्वाट में 292.5 किलोग्राम भार उठाकर अपनी क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। कैफ की इस उपलब्धि से उनके शिक्षण संस्थान ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी का भी गौरव बढ़ा है। शानदार प्रदर्शन के आधार पर मोहम्मद कैफ ने इंटरनेशनल जापान स्ट्रांगमैन चैंपियनशिप के लिए भी अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है। अब वह अक्टूबर में जापान के कोबे, ह्योगो में आयोजित होने वाली इंटरनेशनल स्ट्रांगमैन चैंपियनशिप के 100 किलोग्राम ओपन वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनकी इस उपलब्धि पर परिजनों, शिक्षकों, प्रशिक्षकों एवं क्षेत्र के खेलप्रेमियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

पूर्व विधायक सोहेल अख्तर जी का अल्पसंकिया विभाग के कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया

क्यूँ न लिखूँ सच /युसूफ / जनपद मुरादाबाद में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन पूर्व विधायक सोहेल अख्तर अंसारी जी पहुंचे जिनका जिला व महानगर कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया जिनकी एक संगठन सृजन एवं विचार विमर्श को लेकर कार्यकर्ता मीटिंग महानगर कांग्रेस कार्यालय चौमुखा पुल पर हुई जहां पर सभी कार्यकर्ताओं ने अपने विचार प्रदेश चेयरमैन के समक्ष रखें विचार विमर्श के उपरांत उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन पूर्व विधायक सोहेल अख्तर अंसारी जी ने अपनी बात रखते हुए कहा कि पूरे देश में राहुल गांधी जी का डंका बज रहा है राहुल जी ने केंद्र की मोदी सरकार की नींव उखाड़ दी है व मोदी सरकार के मंत्रियों को नींद उड़ा दी है किसी और नेता में इतना दम नहीं है जो मोदी सरकार के सामने खड़ा हो सके राहुल जी ने प्रधानमंत्री आवास घेर कर नौजवानों की आवाज को बुलंद किया जैन जी के संघर्ष को संसद से लेकर जमीन पर उतरकर कामयाब किया इसी का नतीजा है कि धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा और मोदी सरकार को झुकना पड़ा पूरे देश में राहुल जी छात्र संवाद कर रहे हैं सरकार के होश उड़े हुए हैं आने वाले 27 में यूपी में और 29 में केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है इसी के साथ जिला चेयरमैन अफजल साबरी ने कहा कि मुरादाबाद में कांग्रेस की लहर है आने वाले चुनाव में कांग्रेस मुरादाबाद से सिटौ को जीतकर प्रदेश में सरकार बनेगी जनता योगी और मोदी सरकार से त्रस्त है हर वर्ग का व्यक्ति परेशान है इसलिए कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता विशेष कर अल्पसंख्यक विभाग के कार्यकर्ता जनता के लिए संघर्ष कर रहे हैं इसी संघर्ष से राहुल जी का सपना साकार होगा 2027 में यूपी में 2029 में केंद्र में कांग्रेस सरकार बनाएगी कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन पूर्व विधायक सोहेल अख्तर अंसारी प्रदेश संगठन एवं कार्यालय प्रभारी शाहनवाज खान पूर्व जिला अध्यक्ष असलम खुर्शीद असद मुलाई प्रदेश उपाध्यक्ष मोहम्मद अहमद जिला चेयरमैन अफजल सबरी महानगर चेयरमैन इरशाद हुसैन यूथ कांग्रेस अध्यक्ष अरमान खुर्शीद सेवादल अध्यक्ष अनुराग शर्मा एससी एसटी अध्यक्ष भयंकर सिंह बौद्ध पार्षदगणों में अफसर अंसारी परवेज अंसारी शमशेर अली मोहम्मद जुनेद मोअजम अली शहजाद खान अकरम अंसारी अरशद अंसारी सरफराज अंसारी बाबर सैफी मुजाहिद अली सोहेल पाषा बनने पहलवान अरशद परवेज जहांगीर कुरैशी सादिक सिद्दीकी यासीन कुरेशी हाजी शरीफ आजाद मुनव्वर हुसैन बने पहलवान अजीम कुरेशी मोहम्मद नाजिम गुफरान सिद्दीकी कमल अब्बासी शादाब हुसैन मुख्तियार वन्य सपनों कार्यकर्ता मौजूद रहे !

विश्व हिंदू परिषद का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

मसवासी (रामपुर) क्यूँ न लिखूँ सच। विश्व हिंदू परिषद का स्थापना दिवस सर्वहितकारी इंटर कॉलेज मसवासी में धार्मिक एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीराम एवं भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित और पुष्प अर्पित कर किया गया। इस दौरान विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने भी पुष्प अर्पित किए।

कार्यक्रम से पूर्व प्रखंड अध्यक्ष जितेंद्र सैनी ने अतिथियों को तिलक लगाकर एवं जय श्रीराम का पटका भेंट कर स्वागत किया। तीन बार ओम ध्वनि के पश्चात 13 बार श्रीराम जय राम जय जय राम विजय महामंत्र का जाप किया गया। मुख्य अतिथि पंडित विनोद कुमार मिश्रा, प्रधानाचार्य डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रुस्तमनगर ने विश्व हिंदू परिषद की स्थापना और संगठन की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संगठन समाज में हिंदुत्व एवं धार्मिक चेतना के प्रसार के साथ सेवा कार्यों को भी आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपने गांव, नगर और बस्तियों के मंदिरों में स्वच्छता अभियान, श्रमदान, वृक्षारोपण, उत्सव, सामूहिक आरती एवं भजन मंडली जैसे कार्यक्रमों को निरंतर आयोजित करने का आह्वान किया। साथ ही मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों के माध्यम से समाजोपयोगी गतिविधियां संचालित करने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला सत्संग प्रमुख राजेश शर्मा ने की। इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष जितेंद्र सैनी, प्रखंड मंत्री हरिश्चंद्र मौर्य, महाराज सिंह, जितेंद्र मौर्य, आकाश कुमार, अर्जुन गुप्ता सहित विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। अंत में कल्याण मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

संक्षिप्त समाचार

आरटीओ ने दलालों पर कसा शिंकजा , अतिक्रमण मुक्त कराया कार्यालय परिसर, दी सख्त चेतावनी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। परिवहन कार्यालय को दलाल-मुक्त और पारदर्शी बनाने के लिए सोमवार को संभागीय परिवहन कार्यालय के बाहर व आसपास सघन अतिक्रमण हटाओ एवं औचक चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 10 अस्थायी दुकानों व अतिक्रमणों को हटाकर मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। साथ ही बिचौलियों और अनधिकृत गतिविधियों की जांच की गई। अभियान का नेतृत्व आरटीओ प्रशासन पंकज सिंह और आरटीओ प्रवर्तन प्रणव झा ने संयुक्त रूप से किया। अधिकारियों ने कार्यालय के मुख्य द्वार के आसपास अनधिकृत खोखों, दुकानों, संदिग्ध वाहनों और बिना अनुमति संचालित गतिविधियों को हटवाया। अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि कार्यालय परिसर या आसपास दलाली करते कोई व्यक्ति मिला तो उसके खिलाफ कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सीसीटीवी कैमरों को 24म7 सक्रिय रखते हुए नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए। परिवहन विभाग ने लोगों से अपील की कि लाइसेंस, वाहन पंजीयन, परमिट आदि कार्यों के लिए दलालों के झांसे में न आएं। अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं, जिनका लाभ सीधे विभागीय काउंटर, जनसेवा केंद्र अथवा ऑनलाइन पोर्टल से लिया जा सकता है। विभाग ने बताया कि दलाल-मुक्त अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

जमीन-मकान की रजिस्ट्री होगी महंगी , 25 फीसदी तक बढ़ीं दरें; आज से होंगी लागू

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जिले में जमीन और संपत्तियों की सरकारी मूल्यांकन दरें (सर्किल रेट) आज एक सितंबर से लागू होंगी। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए संशोधित दर सूची को अंतिम रूप दे दिया गया है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अनुमति के बाद यह दरें प्रभावी होंगी। इससे जमीन, मकान और व्यावसायिक संपत्तियों की रजिस्ट्री महंगी हो जाएगी।

5 गोल्ड- 4 सिल्वर के साथ बीबीएल पब्लिक स्कूल ने जीता केके अग्रवाल कप-2026

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। पीलीभीत रोड स्थित बीबीएल पब्लिक स्कूल में आयोजित त्रिदिवसीय द्वितीय केके अग्रवाल इंटर-स्कूल बैडमिंटन टूर्नामेंट (श्री केके अग्रवाल कप-2026) का सोमवार को समारोहपूर्वक समापन हुआ। बीबीएल पब्लिक स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 05 गोल्ड और 04 सिल्वर पदकों के साथ ओवरऑल प्रथम स्थान हासिल कर ट्रॉफी अपने नाम की। अंडर-11 में युग भारद्वाज व लावन्या अरोरा ने एकल वर्ग में जीत दर्ज की, जबकि वान्या-आदिश्री की जोड़ी युगल में विजेता रही। अंडर-13 में सूर्यांश शर्मा, रीत सिंह, कुशाग्र-अग्रिम तथा आद्या भारद्वाज-पीहू अग्रवाल ने अपने-अपने वर्गों में बाजी मारी। अंडर-15 में रुद्र प्रताप, अनुष्का चौधरी, मृत्युंजय-तन्मय और अंशिका सक्सेना-आरोही देवराज विजेता रहे। अंडर-17 में कैरव चौधरी, श्रेया खंडेलवाल, बीबीएल के स्पर्श अरोरा-रूद्रांश शर्मा तथा साक्षी-पायल पाल ने खिताब जीते। समापन समारोह में मुख्य अतिथि अरुण सिंघल, सर्वेश अग्रवाल सहित अन्य अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। विभिन्न विद्यालयों के टीम प्रबंधकों व प्रशिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। इससे पूर्व विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। समारोह में जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष डीएल खट्टर व सचिव अनिल मेहरोत्रा सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। प्रधानाचार्य सर्वेश शर्मा ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, निर्णायकों एवं जिला बैडमिंटन संघ के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

पिछोर विधानसभा को सिंधिया ने दी 14 करोड़ से अधिक की विकास सौगात

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी-ओरछा प्रवास के तीसरे दिन स्थानीय सांसद एवं केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पिछोर विधानसभा क्षेत्र को ?14 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने अछरौनी में करीब 3 करोड़ की लागत से निर्मित आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, चमरौआ में करीब 2 करोड़ एवं पिपरा में 1.46 करोड़ की लागत से निर्मित विद्युत उपकेंद्र तथा बामौरकलां में 1.24 करोड़ की लागत से निर्मित उप तहसील भवन का लोकार्पण किया। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री ने धापोरा-टेराई मार्ग के 3.17 करोड़ तथा भागारी-रामपुरा-टापरान मार्ग के 3.30 करोड़ की लागत से होने वाले निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इन विकास कार्यों से क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं, विद्युत आपूर्ति, प्रशासनिक सेवाओं और सड़क कनेक्टिविटी को मजबूती मिलने की उम्मीद है। अछरौनी में स्वास्थ्य सुविधा मजबूत-अछरौनी में आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के शुरू होने से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को स्थानीय स्तर पर प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। सिंधिया ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि पिछोर विधानसभा क्षेत्र में 100 बिस्तरों वाले अस्पताल का निर्माण भी जारी है। विद्युत उपकेंद्रों से हजारों लोगों को लाभ- चमरौआ के 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र से करीब 20 से 25 हजार की आबादी को लाभ मिलने की उम्मीद है, जबकि पिपरा विद्युत उपकेंद्र से लगभग 17 हजार नागरिक लाभान्वित होंगे। इन उपकेंद्रों के शुरू होने से क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था अधिक सुदृढ़ होने के साथ किसानों, व्यापारियों और स्थानीय व्यवसायों को भी फायदा मिलेगा। 70 गांवों को मिलेगी नजदीकी प्रशासनिक सुविधा- बामौरकलां में उप तहसील भवन शुरू होने से क्षेत्र के करीब 70 गांवों के लोगों को राजस्व एवं अन्य प्रशासनिक कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। क्षेत्रवासियों ने जनसुनवाई के दौरान उप तहसील की मांग रखी थी, जिसे सिंधिया के प्रयासों से पूरा किया गया। सड़कों से बेहतर होगी कनेक्टिविटी- धापोरा-टेराई और भागारी-रामपुरा-टापरान मार्गों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों की आवागमन व्यवस्था बेहतर होगी। इससे किसानों को उपज बाजार तक पहुंचाने, विद्यार्थियों को आवागमन तथा ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में गांव, गरीब, किसान और आम नागरिक तक विकास की सुविधाएं पहुंचाने का कार्य लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि पिछोर विधानसभा क्षेत्र की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए आने वाले समय में भी विकास कार्यों को गति दी जाएगी।

Cooking Tips: How to Make Crispy Pakodas? These Tips Are Very Useful

If you too want to enjoy crispy pakodas during the rainy season but can't seem to make them, this article is useful. Here, we'll show you how to make crispy pakodas. A cup of crunchy pakodas with hot tea during the the season. However, a problem home—the pakodas turn out soft absorb too much oil. While they crispy flavor of the ones you find in don't need to change the recipe, but details in your preparation. From temperature and the method of tricks that can help keep your time you make pakodas during the tips and enjoy crispy pakodas with Pakodas: 1. Don't make the batter may spread in the oil and won't thick. 2. Add Rice Flour. Mixing 1-gram flour can give the pakodas a temperature right. Putting pakodas absorb too much oil. However, oil quickly on the outside. Therefore, fry the pakodas. 4. Don't overfill the with pakodas can suddenly lower pakodas soft and oily instead of Overly large pakodas take longer or medium-sized pakodas crisp

rainy season doubles the enjoyment of often arises when making pakodas at instead of crispy on the outside or taste delicious, they don't achieve the the market. If this happens to you, you rather pay attention to a few small the correct batter consistency to the oil frying the pakodas, there are many pakodas crispy for a long time. So, next rainy season, be sure to try these simple tea. Easy Tricks to Make Crispy too thin. If the batter is too thin, they crisp properly. Keep the batter a little 2 tablespoons of rice flour with the crispier texture. 3. Keep the oil in very cold oil can cause them to that is too hot can cause them to brown heat the oil over medium-high heat and pan with pakodas. Overfilling the pan the oil temperature. This can make the crispy. 5. Add small sized pakodas. to cook properly from the inside. Small more easily. 6. Don't cover immediately after frying. Immediately placing hot pakodas in a closed container or covered vessel can reduce their crispness due to steam. Place them on an open plate or wire rack for a while. 7. Method of removing pakodas from the oil is also important. After frying the pakodas, remove them thoroughly from the oil and allow the excess oil to drain. Then place them on a paper towel or wire rack. 8. Add water to the batter slowly. Prepare the batter by adding water little by little instead of adding a lot of water all at once. This makes it easier to maintain the correct consistency.

Major Breakthrough: First AI-Enabled Brain Surgery, Patient's Eyesight Saved

Neurosurgeons in London successfully performed the first live brain tumor surgery using artificial intelligence (AI). 48-year-old Rhys Hibbert had an 11mm tumor in his pituitary gland,

threatening to cause vision loss. The surgery was successful, and the patient's vision was preserved. For the first time in the world, computer-vision-based machine intelligence helped neurosurgeons identify critical anatomical structures during live brain surgery. In this surgery, conducted at London's National Hospital for Neurology and Neurosurgery, doctors successfully removed the pituitary gland tumor and saved the patient's vision. This procedure was conducted as part of a clinical trial of technology developed by University College London (UCL). UCL's system analyzed live video feeds from an endoscope during the operation and identified critical anatomical structures, including the optic nerve and major blood vessels. Pituitary tumor surgery is extremely sensitive because these structures are located very close to the tumor. Even a small mistake can lead to vision loss, stroke, or even death. The technology's unique feature is that it analyzes the actual scene being performed during surgery, rather than relying solely on pre-operative scans. This provides additional visual assistance to doctors in identifying vulnerable areas. 48-year-old patient's vision improved: 48-year-old Rhys Hibbert had an approximately 11-millimeter tumor in his pituitary gland. The tumor caused serious hormonal problems, and his vision steadily deteriorated. He lost a significant portion of his vision and relied on a cane to walk. Consultant neurosurgeon and UCL Professor Hani Marcus performed the operation with surgical resident Danyal Khan. The surgeon maintained control throughout the procedure. Following the operation, Hibbert's vision improved significantly, and within a week, he was able to walk independently without glasses or a cane. Trained using videos of hundreds of operations: Researchers at UCL's Hawkes Institute trained the system using hundreds of marked videos of previous endoscopic pituitary operations. It can also recognize critical anatomical structures, as well as surgical instruments and their contact with tissue. In the future, researchers are working to develop a system that can monitor the movement of instruments and their contact with tissue in real time during an operation. This technology runs on Nvidia's Clara IGX platform.

Relationship Tips: Why does distance grow in a relationship even without conflict? Learn the real reason behind the lack of communication.

In this article, learn why communication between partners decreases despite love. Identify these small habits and learn how to reduce the growing distance in a relationship in time. Love is essential in a relationship, but love alone is not enough to an emotional connection, yet their communication gradually create a sense of distance in the relationship. Decreasing relationship, but communication has reduced, then definitely reduced communication: 1. Being busy with mobile phones media, or videos most of the time, then face-to-face habit of sharing even the smallest details, but now even asking limited to essential things - If the conversation is limited to food, may decrease. 4. Assuming that we understand each other - everything without being told. But feelings and needs change arguments start happening after every conversation, then the

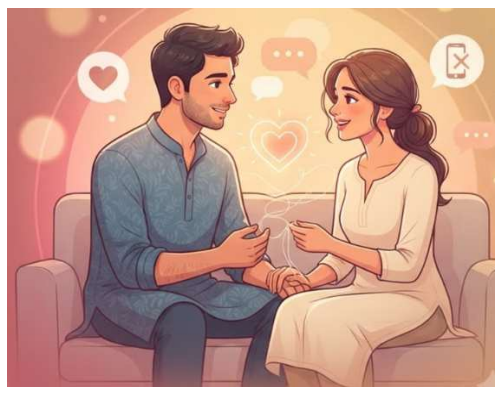

keep it strong. Sometimes, couples care for each other, enjoy being together, and feel decreases. Initially, this change may seem small, but over time, these small habits can communication doesn't necessarily mean the end of love. If love is still present in your pay attention to these small habits and try to make changes in time. Small reasons for all the time - Despite living together, if both partners are busy with phones, social communication may decrease. 2. Not sharing the day's events - Earlier, there was a about how the day was has reduced, then emotional distance can be felt. Conversation home, office, bills, or other important tasks, then the friendly bond in the relationship In a long-term relationship, many people assume that the other person will understand over time, so it is important to share them verbally. 5. Avoiding frequent arguments If partner may gradually avoid sharing even important things. 6. Suppressing emotions- By continuously suppressing anger, stress or complaints, a person may prefer to remain silent instead of talking. Easy ways to increase communication in a relationship Take out some time every day just for each other Keep the phone aside and talk Listen to the partner without judging Talk not only about problems but also about good things Remember old good moments and make new memories together If there is any complaint, then instead of blaming, make your feelings clear Keep in mind- the amount of communication is different in every relationship. Talking less in itself is not a sign of love ending. The real thing is whether both the partners are feeling connected, respect and comfort in the relationship or not.

Toxic: After Kichcha Sudeep, this actor supports Yash and 'Toxic'; says this about the story and character

Yash's film 'Toxic' is receiving mixed reactions from audiences. Meanwhile, in addition to Kichcha Sudeep, another Kannada actor has expressed his support for Yash. Learn more. Since the release of 'Toxic' in theaters, the film has received mixed reviews. It hasn't been as successful at the box office as expected. Some are criticizing the film for various reasons, while others are supporting it. Recently, Kannada actor Kichcha Sudeep supported the film and Yash. Now, another Kannada actor has come forward in support of Yash. Rishabh Shetty praises Yash - National Award-winning Kannada actor Rishabh Shetty has praised Yash for the film 'Toxic'. He has written a post on social media about 'Toxic'. Rishabh wrote, "As an actor, when you play a character, you try to bring it to life with all your heart. I'm truly impressed by the conviction with which the struggle of a powerful man has been portrayed here." Rishabh further wrote, "The story and the main character may not be on the typical path that most films take, but that doesn't mean the path is wrong. The effort that goes into telling a story, and the journey from an idea in the mind to a film on screen, is immense." What did Rishabh say about Yash? Praising Yash, he wrote, "Yash, I salute you for the way you dedicated yourself to a character and a world that demanded a larger-than-life performance. I could feel it clearly in every scene. It's not easy to make the audience experience how regret grows and poisons life." I stand with you for attempting this bold experiment, sir. What did Kichcha Sudeep say? Recently, Kichcha Sudeep also praised the film. He wrote, "Just wanted to say, Yash, after your last commercial blockbuster, you have really tried something different instead of taking the easy route of making another predictable and formulaic film." About 'Toxic' 'Toxic' is a gangster film directed by Geetu Mohandas. The film stars Yash alongside Kiara Advani, Nayanthara, Huma Qureshi, Tara Sutaria, and Rukmini Vasanth. The film is co-produced by Venkat K. Narayan and Yash. It was released in theaters on August 26, coinciding with Onam. In four days, the film has grossed ?190.45 crore.

The Oscars shared a special scene from Deepika Padukone's film, drawing hilarious comments from users.

The Academy shared a special scene from a Bollywood film on its Instagram page. The video highlights a dialogue from the film, and users are reacting to it. The Academy, the organization that awards Oscars, often shares special scenes from Bollywood films on its social media pages. Recently, the organization shared a key scene from the film "Yeh Jawaani Hai Deewani," starring Deepika Padukone and Ranbir Kapoor, on its Instagram page. The video is accompanied by a captivating caption. What's in the video? - In the clip shared by the organization, Ranbir Kapoor and Deepika Padukone are seen sitting at a sunset point. Ranbir Kapoor asks Deepika Padukone, "And what if we find out later that the light and dance show was amazing?" To this, Deepika replies, "That will definitely be amazing. But if we leave, we'll miss this solid sunset." No matter how hard you try, something will always be left out in life. So let's enjoy where we are.' What is the caption? Sharing the video, the Academy wrote, "On behalf of Naina, let us remind you to enjoy where you are. The film is 'Yeh Jawaani Hai Deewani'. Directed by Ayan Mukerji. Written by Hussain Dalal and Ayan Mukerji. Starring Ranbir Kapoor, Deepika Padukone, Aditya Roy Kapur, Kalki Koechlin, Kunal Roy Kapur, and Farooq Sheikh." User comments - Commenting on the video clip, one user wrote, "Like all of us, The Academy loves Deepika." Another user wrote, "This film will always be close to my heart." A third user wrote, "We simply adore Naina, thank you for mentioning her. Along with Aditi, she is the soul of this film." Collection of 'Yeh Jawaani Hai Deewani' - Let us tell you that the film 'Yeh Jawaani Hai Deewani' was released on May 31, 2013. Its budget was ?45 crore. It grossed ?326 crore at the box office. Upon its re-release, it grossed ?26 crore. The film's story is based on friendship, love, dreams, and the journey of life.

Tom Cruise announces new film, starring actress; sequel coming after 38 years

Tom Cruise has announced his new film. He recently revealed which actress will play the lead role alongside him in the film. Hollywood actor Tom Cruise is renowned for his unique films and has a fan following in India as well. He recently announced a new film. He stated that this film is a sequel to a film released in 1990. He also provided information about the film's lead actress. Find out when the film will be released. Who will be the actress? - Tom Cruise has announced a sequel to "Days of Thunder." He revealed that Anne Hathaway will also star in the highly anticipated sequel to this 1990 racing drama. This sequel, coming 38 years after the original film, will be released in theaters in the summer of 2028. What's in Tom's post? Tom Cruise shared this information on social media. He posted a photo from Daytona International Speedway and confirmed Hathaway's involvement in the film. The video shows a green car parked with the words "Days of Thunder" written on it. The car also has its release year written on it. Hathaway's support: In the video, a pregnant Hathaway says, "Let's make a movie. I'm going to have this baby, and then we'll make this movie." Tom Cruise then adds, "We'll make the movie after I have the baby. We'll be out in the summer of 2028. Don't delay, guys." Who will be the director? Cruise is expected to reprise his role as driver Cole Trickle, which he played in the original "Days of Thunder." Reports suggest Hathaway will play a team owner and engineer, venturing into the world of the franchise. Jonathan Levine will direct the sequel, while Jerry Bruckheimer, Tommy Harper, and Cruise will serve as producers. About "Days of Thunder": Cruise played Cole Trickle in the original "Days of Thunder," released in 1990. The film followed his journey as a talented but ambitious driver. The film was a box office success. With Cruise returning and Hathaway joining the cast, the sequel arrives nearly four decades after the first film.